RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 147 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 21-12-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 हिंदू-मुस्लिम दंगे भड़काना चाहती हैं ममता : भाजपा

6 हवलदार प्रकाश तमांग: गोली लगने पर भी दिखाया असाधारण साहस, आतंक के सामने रहे अडिग

7 प्रीति जिंटा ने आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' की सराहना की

फर्स्ट टेक

बलूचिस्तान में ट्रेनों को निशाना बनाकर किए गए विस्फोटों से रेल यातायात बाधित

कराची/भाषा। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में संदिग्ध आतंकवादियों ने जाफर एक्सप्रेस समेत दो ट्रेनों पर हमला करने की कोशिश में बम विस्फोट किए, जिसके कारण पटरियों को नुकसान पहुंचा और रेल सेवाएं बाधित हुईं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। क्वेटा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) शाहिद नवाज ने बताया कि शुक्रवार को एक बम विस्फोट में मुश्काफ में रेलवे ट्रैक का लगभग तीन फुट का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि दश्त क्षेत्र में हुए एक अन्य विस्फोट से और अधिक नुकसान हुआ। एसएसपी ने कहा, ''दोनों ही घटनाओं में, जाफर एक्सप्रेस और बोलन मेल यात्री ट्रेनें निशाने पर थीं।'' विस्फोटों के कारण मुख्य रेलवे लाइन पर पटरियों को नुकसान पहुंचने से रेल सेवाएं बाधित हो गईं।

विश्व बैंक ने पाकिस्तान के लिए 70 करोड़ डॉलर का वित्तपोषण मंजूर किया

इस्लामाबाद/भाषा। विश्व बैंक ने शनिवार को पाकिस्तान के लिए 70 करोड़ डॉलर के वित्तपोषण को मंजूरी दे दी है। एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया कि पाकिस्तान की व्यापक आर्थिक स्थिरता और सेवा वितरण को समर्थन देने के लिए शुरू की गई एक बहुवर्षीय पहल के तहत यह राशि दी जाएगी। डॉन अखबार की खबर के अनुसार यह राशि विश्व बैंक के समावेशी विकास के लिए सार्वजनिक संसाधन - बहु-चरणीय योजनाबद्ध कार्यपद्धति (पीआरआईडी-एमपीए) के तहत जारी की जाएगी। इस राशि में 60 करोड़ डॉलर संघीय कार्यक्रमों के लिए और 10 करोड़ डॉलर सिंध प्रांत में एक प्रांतीय कार्यक्रम के समर्थन के लिए खर्च किए जाएंगे।

यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह पर रूसी हमले में आठ लोगों की मौत, 27 घायल

कीव/एपी। दक्षिणी यूक्रेन के ओडेसा में शुक्रवार देर रात बंदरगाह के बुनियादी ढांचे पर रूसी मिसाइल हमले में आठ लोग मारे गए और 27 घायल हो गए। यूक्रेन की आपातकालीन सेवा ने यह जानकारी दी। आपातकालीन सेवा ने 'टेलीग्राम' पर पोस्ट में बताया कि कुछ लोग बस पर हमले में घायल हुए। पार्किंग स्थल में ट्रकों में आग लग गई और अन्य गाड़ियां भी क्षतिग्रस्त हो गईं। ओडेसा क्षेत्र के प्रमुख ओलेह किपर ने बताया कि बंदरगाह पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया गया।

सूर्यास्त 21-12-2025	सूर्योदय 22-12-2025
5:58 बजे	6:37 बजे

BSE	NSE
84,929.36 (+447.55)	25,966.40 (+150.85)

सोना	चांदी
13,850 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	207,343 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बेटी को मान दो

जहां पूज्य होती है बेटी,
वहीं दंश क्यों सहती है।
कापुरुषों के भय से हरदम,
सहमी-सहमी रहती है।
दुर्गा लक्ष्मी सरस्वती की,
जहां परंपरा महती है।
मान करें हर बेटी का हम,
मर्यादा यह कहती है।।

उद्घाटन

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शनिवार को बेलगावी जिले के हुडली में मृदा स्वास्थ्य और जल प्रबंधन परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

तमिलनाडु कभी भी 'हिंदी थोपने' नहीं देगा : उदयनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपट्टिनम (तमिलनाडु)/भाषा। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने शनिवार को आरोप लगाया कि केंद्र द्वारा एक बार फिर ''हिंदी थोपने'' का प्रयास किया जा रहा है और राज्य इसे कभी बर्दाश्त नहीं करेगा।

दिवंगत गायक और द्रमुक नेता नागोर ई. एम. हनीफा (1925-2015) की जन्म शताब्दी के अवसर पर एक कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उदयनिधि ने कहा कि पार्टी के संस्थापक एम. करुणानिधि की तरह हनीफा स्वतंत्रता-पूर्व युग में पेरियार ई. वी. रामासामी के सुधारवादी लेखन से प्रभावित थे। उन्होंने कहा कि जब पेरियार ने 1930 के दशक में हिंदी थोपने के खिलाफ ''युद्ध'' की घोषणा की, तो इन दोनों नेताओं ने इस संघर्ष में एकजुट होकर उनका साथ दिया।

उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''आज के युवाओं को इस इतिहास का अध्ययन करना चाहिए। उन्हें यह जानना चाहिए कि हनीफा द्रविड़ आंदोलन के दर्शन की ओर कैसे आकर्षित हुए थे। अपनी अनूठी और लोकप्रिय आवाज के लिए मशहूर हनीफा ने अपने राजनीतिक गीतों के माध्यम से द्रमुक को और अधिक लोकप्रिय बनाया। द्रमुक की बड़ी राजनीतिक सभाओं की शुरुआत हमेशा हनीफा के गीतों से होती थी।

उदयनिधि ने कहा कि पेरियार और बाद में सी. एन. अन्नादुरई ने हिंदी थोपे जाने के खिलाफ लड़ाई लड़ी एवं तमिलनाडु हमेशा ऐसे संघर्षों में विजयी रहा।

उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान में केंद्र सरकार किसी न किसी रूप में हिंदी थोपने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार एक बार फिर अपनी त्रिभाषा नीति के माध्यम से हिंदी थोपने की कोशिश कर रही है और उसका कहना है कि वह लगभग 2,000 करोड़ रुपये तभी जारी करेगी जब राज्य त्रिभाषा नीति को स्वीकार करेगा।

भारतीय साइबर एजेंसी ने व्हाट्सएप 'हाईजैक' की आशंका जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय साइबर सुरक्षा एजेंसी सीईआरटी-आईएन ने व्हाट्सऐप के डिवाइस-लिंकिंग फीचर में एक खामी की ओर इशारा किया है, जो हमलावरों को किसी खाते पर पूर्ण नियंत्रण हासिल करने में सक्षम बनाती है, जिसमें वेब संस्करण पर वास्तविक समय के संदेशों, फोटो और वीडियो तक पहुंच शामिल है। 'पीटीआई' द्वारा प्राप्त एक परामर्श में एजेंसी ने शुक्रवार को इस मुद्दे को घोस्टपेयरिंग नाम दिया है।

ऐसी खबरें आई हैं कि दुर्भावनापूर्ण तत्व बिना प्रमाणीकरण की आवश्यकता के 'पेयरिंग कोड' का उपयोग करके खातों को हैक करने के लिए व्हाट्सऐप की 'डिवाइस-लिंकिंग' सुविधा का फायदा उठा रहे हैं।

एडवाइजरी में कहा गया है, घोस्टपेयरिंग नामक इस नए पहचाने गए साइबर अभियान से साइबर अपराधी पासवर्ड या सिम स्वैप की आवश्यकता के बिना व्हाट्सएप खातों पर पूर्ण नियंत्रण हासिल कर सकते हैं।

इस खुलासे पर व्हाट्सऐप की प्रतिक्रिया का इंतजार है।

भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल (सीईआरटी-इन) साइबर हमलों से निपटने और भारतीय इंटरनेट क्षेत्र की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी शाखा है।

परामर्श में कहा गया है कि उच्च गंभीरता वाले हमले का अभियान आमतौर पर पीड़ित को किसी विश्वसनीय संपर्क से हाय, यह फोटो देखें जैसा संदेश प्राप्त होने से शुरू होता है।

संदेश में फेसबुक जैसे पूर्वावलोकन वाला एक लिंक है। यह लिंक एक नकली फेसबुक उपयोगकर्ता पर ले जाता है जो उपयोगकर्ताओं को सामग्री देखने के लिए सत्यापित करने के लिए कहता है। परामर्श में कहा गया है कि हमलावर यहां व्हाट्सऐप के फोन नंबर के माध्यम से डिवाइस लिंक करें फीचर का फायदा उठाकर भोले-भाले उपयोगकर्ताओं को उनके फोन नंबर दर्ज करने के लिए बरगलाते हैं।

आज की दुनिया गठबंधन की राजनीति जैसी, भारत को लचीला बने रहना चाहिए : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य ''गठबंधन की राजनीति'' की तरह है, जहां निष्ठाएं लगातार बदलती रहती हैं। उन्होंने कहा कि भारत को ऐसे परिदृश्य में लचीला रुख अपनाते हुए अपने हितों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

जयशंकर पुणे साहित्य महोत्सव में राष्ट्रीय पुस्तक ट्रस्ट के निदेशक युवराज मलिक के साथ 'कूटनीति से संवाद' विषय पर बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने कहा, हमारे देश में एक दौर गठबंधन की राजनीति का था। आज की दुनिया भी गठबंधन की राजनीति जैसी ही है। किसी के पास बहुमत नहीं है। किसी गठबंधन को बहुमत हासिल नहीं है। इसलिए लगातार गठबंधन बनते रहते हैं, सौदे होते रहते हैं, कोई ऊपर जाता है तो कोई नीचे। यह पूरी तरह से बहुध्रुवीय दुनिया है, जहां कई साझेदार हैं।

जयशंकर ने कहा कि इस अस्थिर स्थिति से निपटने के लिए उनका मंत्र भारत के हितों को ध्यान में रखते हुए फैसले लेना था। उन्होंने कहा, हमें बहुत लचीला रुख अपनाना होगा। कभी-कभार आप किसी एक मुद्दे पर किसी के साथ होते हैं और किसी दूसरे मुद्दे पर किसी दूसरे के साथ। इन सबके बावजूद मेरा एक ही सिद्धांत है - जो मेरे देश के हित में हो। जो भी मेरे देश के हित में हो, वही मेरा फैसला होगा।

इस साहित्य महोत्सव का आयोजन पुणे पुस्तक महोत्सव के साथ किया जा रहा है।

आधुनिकता और आध्यात्मिकता का संगम भारतीय संस्कृति की प्रमुख शक्ति है : मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को कहा कि देश की आध्यात्मिक विरासत विश्व की मनोवैज्ञानिक, नैतिक और पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान प्रदान करती है।

हैदराबाद में ब्रह्मा कुमारीज शांति सरोवर द्वारा अपनी 21वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित 'भारत का शाश्वत ज्ञान: शांति और प्रगति के मार्ग' विषय पर आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आधुनिकता और आध्यात्मिकता का मिश्रण भारत की संस्कृति की एक प्रमुख शक्ति है। उन्होंने कहा, ''वसुधैव कुटुंबकम् की भावना (संपूर्ण विश्व को एक परिवार के रूप में मानने का दर्शन) आज विश्व शांति के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता है।''

> ▪ वसुधैव कुटुंबकम् की भावना (संपूर्ण विश्व को एक परिवार के रूप में मानने का दर्शन) आज विश्व शांति के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता है।

मुर्मू ने इस बात पर जोर दिया कि देश की प्राचीन ऋषि परंपरा सत्य, अहिंसा और सह-अस्तित्व का संदेश देती है। उन्होंने आगे कहा कि योग परंपरा एक ऐसी जीवनशैली प्रदान करती है जो शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक संतुलन और आत्म-अनुशासन को भी मजबूत करती है।

उन्होंने कहा कि योग के माध्यम से भारत ने विश्व को यह संदेश दिया है कि एक नागरिक स्वस्थ मन और शरीर के साथ राष्ट्र और समाज की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। वैश्विक समुदाय में हो रहे परिवर्तनों को देखते हुए राष्ट्रपति ने मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं, सामाजिक संघर्षों, पारिस्थितिकी असंतुलन और मानवीय मूल्यों के क्षरण सहित कई गंभीर चुनौतियों को स्वीकार किया।

उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में, इस सम्मेलन का विषय अत्यंत प्रासंगिक है। मुर्मू ने जोर देकर कहा, ''हमें याद रखना चाहिए कि केवल भौतिक विकास से सुख और शांति नहीं मिलती। आंतरिक स्थिरता, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और मूल्य-आधारित दृष्टिकोण आवश्यक हैं।''

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आध्यात्मिकता सामाजिक एकता और राष्ट्रीय प्रगति के लिए एक मजबूत आधार का काम करती है। उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति मानसिक स्थिरता, नैतिक मूल्यों और आत्म-नियंत्रण विकसित करते हैं, तो उनका व्यवहार समाज में अनुशासन, सहिष्णुता और सहयोग को बढ़ावा देता है।

आईएनएस सिंधुघोष 40 वर्षों की गौरवशाली सेवा के बाद सेवामुक्त : नौसेना

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिमी नौसेना कमान ने शनिवार को घोषणा की कि भारतीय नौसेना में अपने वर्ग की प्रमुख पनडुब्बी, आईएनएस सिंधुघोष को राष्ट्र की 40 वर्षों की गौरवशाली सेवा के बाद सेवामुक्त कर दिया गया। नौसेना से पनडुब्बी की सेवामुक्ति का समारोह मुंबई स्थित नौसेना गोदी में पश्चिमी नौसेना के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (एफओसीआईएनसी) वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन की उपस्थिति में आयोजित किया गया। पश्चिमी नौसेना कमान ने 'एक्स' पर कहा, भारतीय नौसेना में अपनी श्रेणी की अग्रणी पनडुब्बी, आईएनएस सिंधुघोष को 19 दिसंबर 2025 को सूर्यास्त के समय, राष्ट्र की 40 वर्षों की गौरवशाली सेवा के बाद, मुंबई के नौसेना गोदी में, वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन, एफओसीआईएनसी डब्ल्यूएनसी की उपस्थिति में सेवामुक्त कर दिया गया।

जर्मनी को पीछे छोड़कर

2027 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा भारत : सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की टिकाऊ नीतियों और बड़े संस्थागत सुधारों की तारीफ करते हुए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को भरोसा जताया कि भारत वर्ष 2027 के अंत तक जर्मनी को पीछे छोड़कर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

सिंधिया, 'यंग आंतरप्रेन्योर्स फोरम भारत' की इंदौर में आयोजित 'वाईईएफ भारत समिट 2025' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''भारत कभी सोने की चिड़िया के रूप में जाना जाता था। 2,000 साल पहले विश्व के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में भारत की हिस्सेदारी 20 फीसदी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत इसी दृष्टिकोण से आगे बढ़ेगा और विश्व पटल पर नक्षत्र के रूप में उभरेगा।'' सिंधिया ने कहा, ''भारत 12 साल पहले विश्व की 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था। भारत जापान को पीछे छोड़कर विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभर चुका है। 2027 के अंत तक हम जर्मनी को भी पीछे छोड़कर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे।

केंद्रीय मंत्री ने ब्रिटेन का नाम लिए बगैर कहा कि जिस देश ने भारत पर 200 साल तक राज किया, उस देश को भारत आर्थिक विकास की दौड़ में पहले ही पीछे छोड़ चुका है। सिंधिया ने जोर देकर कहा कि भारत की अडिगता देश को परिभाषित करती है। उन्होंने कहा, ''इस अडिगता ने भारत को 2.3 हजार अरब डॉलर की जीडीपी वाले देश से 4.5 हजार अरब डॉलर की जीडीपी वाले देश में बदल दिया है।'' उन्होंने कहा कि मोदी की अगुवाई वाली सरकार की टिकाऊ नीतियों और बड़े संस्थागत सुधारों की बदौलत देश विनिर्माण का बड़ा वैश्विक केंद्र की दिशा में अग्रसर है।

नोरा फतेही कार हादसे में मामूली रूप से घायल हुईं

मुंबई/भाषा। बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही शुक्रवार दोपहर यहां उपनगरीय अंबोली के लिंक रोड पर एक कार दुर्घटना में मामूली रूप से घायल हो गईं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने इस सिलसिले में विनय सकपाल (27) नाम के युवक को गिरफ्तार किया है, जिसकी कार ने उस वाहन को कथित तौर पर टक्कर मारी थी, जिसमें अभिनेत्री सवार थीं।

मानवीय संवेदना को प्राथमिकता देते हुए

भारत को एआई क्षेत्र में नेतृत्व करना चाहिए : अंबानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। उद्योगपति मुकेश अंबानी ने शनिवार को कहा कि भारत को कृत्रिम मेधा (एआई) के क्षेत्र में विश्व का अग्रणी देश बनना चाहिए, लेकिन नई प्रौद्योगिकी अपनाते समय मानवीय संवेदना और करुणा को भी उतना ही महत्व देना जरूरी है।

अंतरराष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक अंबानी ने कहा कि देश की सबसे बड़ी निजी कंपनी भारत की ऊर्जा समस्या के समाधान के बेहद करीब पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा और ऊर्जा भंडारण के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयास भारत के लिए बड़ी उपलब्धि साबित हो सकते हैं।

अंबानी ने कहा कि रिलायंस की दूरसंचार कंपनी जियो ने अपनी सेवाओं के जरिए भारत को वैश्विक डिजिटल मुख्यधारा से जोड़ने का काम किया है। उन्होंने कहा, हमें कृत्रिम मेधा की जरूरत है और भारत को इसमें विश्व में अग्रणी बनना चाहिए, लेकिन सबसे ऊपर हमें संवेदना और करुणा की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बुद्धिमत्ता को मानवीय संवेदना से और समृद्धि को उद्देश्य से जोड़कर भारत दुनिया के सामने विकास का एक नया मॉडल पेश कर सकता है।

अंबानी ने कहा कि एक समय ऐसा भी था जब खुद रिलायंस के भीतर दूरसंचार कारोबार को लेकर संदेह करने वाले लोग थे। ऊर्जा क्षेत्र का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत अपनी 80 प्रतिशत ऊर्जा जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है और ऊर्जा भंडारण एक बड़ी चुनौती रही है, जबकि देश में सौर ऊर्जा की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि रिलायंस अब इस स्थिति को बदलने के करीब है और सौर ऊर्जा को केवल कुछ घंटों के विकल्प के रूप में नहीं, बल्कि दीर्घकालिक समाधान के रूप में उपयोग करने की दिशा में काम कर रही है। अंबानी ने इन प्रयासों की नींव रखने का श्रेय रिलायंस के निदेशक मंडल के सदस्य आर ए माशेलकर को दिया।

हार्दिक पंड्या किसी फिल्म के सुपरहीरो की तरह है : डेल स्टेन

अहमदाबाद/भाषा। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने पांचवें टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में हार्दिक पंड्या की शानदार पारी के बाद उन्हें सुपरहीरो करार दिया और कहा कि वह मानसिक रूप से एक अलग स्तर पर काम करते हैं और उनकी चमक अद्वितीय है।

पंड्या (63) ने इस मैच में भारत की तरफ से टी20 अंतरराष्ट्रीय दूसरा सबसे तेज अर्धशतक लगाया, जबकि तिलक वर्मा ने शानदार 73 रन बनाकर भारतीय टीम को 30 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। स्टेन ने जियोस्टार पर कहा, ''हार्दिक ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने एक खिलाड़ी की छवि से आगे निकल कर एक सेलिब्रिटी का दर्जा हासिल कर लिया है। वह किसी एक फिल्म के सुपरहीरो की तरह मैदान में उतरे, जहां कोई भी उनकी रणनीति नहीं बदल सकता।'' उन्होंने कहा, ''यह कोई खराब रवैया नहीं है। यह तो पूरी तरह से दबदबा बनाए रखने से जुड़ा है। यह एक ऐसा प्रभाव है जिसकी बराबरी कोई नहीं कर सकता। आप इसे उनके हावभाव में देख सकते हैं।

सहज स्मृति योग

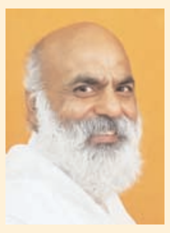

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: प्रणाम गुरुजी, मैं कैसे जानूँ कि मैं अपना कार्य कर्तापन के अभिमान के साथ कर रही हूँ या बिना कर्तापन के भाव में ? कृपया स्पष्ट करने की कृपा करें।

उत्तर: कल्याण हो।अगर आपके चित्त में सफलता हेतु कार्य करते हुए, कार्य की सफलता और असफलता से अप्रभावित और निराशक्त एक 'चेतना प्रधान शांत लयबद्ध ऊर्जा' उत्साहित करती रहती है और कहती रहती है कि, आपका पुरुषार्थ आपके प्रयत्न का माध्यम होना भर है, सब काम तो अपने आप ही हो रहा है। मैं (या हम)केवल माध्यम हूँ (या हैं)। इसलिए किसी सफलता में मिलने वाली प्रशंसा के समय इस यथार्थ को भूल कर, स्वयं श्रेय लेकर आप फूल नहीं जातीं और असफलता में मिलने वाली आलोचना के समय भी दोष लेतीं या देतीं नहीं और दुखी होती नहीं तो आप अकर्तापन के भाव में हैं और यदि आपका मन किसी भी सफलता का श्रेय लेकर फूल जाता है और असफलता में दोष देकर या लेकर दुखी हो जाता है तो आप कर्तापन के भाव में हैं। दोनों भावों में यथार्थ अंतर तो यही है।

राहुल गांधी ने जर्मनी यात्रा के दौरान 'भारत के दुश्मनों' से मुलाकात की : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने जर्मनी यात्रा के दौरान भारत के दुश्मनों से मुलाकात की। पार्टी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष से सवाल किया कि ऐसे तत्वों के साथ हाथ मिलाकर वह देश के खिलाफ किस तरह की साजिश रच रहे हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने यहां भाजपा मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बर्लिन स्थित हर्टी स्कूल की प्रेसीडेंट एवं प्रोफेसर कॉर्नेलिया वोल के साथ गांधी की कथित तस्वीर दिखायी और इसे कांग्रेस नेता द्वारा जर्मनी में भारत-विरोधी ताकतों से मुलाकात का सबूत बताया।

भाटिया ने दावा किया कि वोल सेंट्रल यूरोपियन यूनिवर्सिटी की ट्रस्टी में से एक हैं, जो अमेरिका के अरबपति निवेशक जॉर्ज सोरोस के ओपन सोसाइटी फाउंडेशन से वित्तपोषित है। राहुल गांधी या कांग्रेस की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आयी।

पिछले साल भी, भाजपा ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के सोरोस-वित्तपोषित संगठनों से संबंध हैं, जो भारत-विरोधी गतिविधियों में शामिल हैं।

भाटिया ने शनिवार को आरोप लगाया, ''अगर कोई भारत विरोधी ताकतों से मिलता है और विदेशी धरती से भारत का अपमान करता है, तो वह राहुल गांधी के अलावा और कोई नहीं।'' उन्होंने कहा, ''जॉर्ज सोरोस और राहुल गांधी दो शरीर हैं, लेकिन एक आत्मा हैं।''

भाजपा प्रवक्ता ने सवाल किया कि गांधी संसद के लगभग हर सत्र के दौरान या उससे पहले विदेश क्यों जाते हैं और भारत के दुश्मनों से मिलते हैं, जो भारत से जलते हैं और उसकी अखंडता पर हमला करते हैं।'' उन्होंने सवाल किया, ''यह किस तरह का भारत-विरोधी एजेंडा है कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी भारत-विरोधी ऐसी ताकतों के साथ हाथ मिला कर भारत के खिलाफ साजिश रच रहे हैं?''

भाटिया ने आरोप लगाया कि गांधी ने अपनी पिछली विदेश यात्राओं के दौरान भी भारत-विरोधी ताकतों से मुलाकात की थी और अपनी टिप्पणियों से ''भारत को बदनाम और अपमानित किया था।'' उन्होंने दावा किया, ''यह पहली बार नहीं है, जब राहुल गांधी ऐसी देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त हुए हैं। राहुल गांधी मीर जाफर बन गए हैं।''

भाटिया ने आरोप लगाया कि सोरोस भारत विरोधी बयान देते हैं और भारत में अशांति फैलाने और देश की अखंडता और संप्रभुता पर हमला करने के लिए धन भी देते हैं। उन्होंने कहा, ''जॉर्ज सोरोस भारतीय नहीं हैं; वह एक विदेशी हैं। लेकिन, राहुल गांधी ने संविधान की रक्षा करने की शपथ ली है। भारत के अंदर इन संपोलों का इलाज करने की जरूरत है। देश की जनता इसकी मांग कर रही है।''

तेलंगाना में तेलुगु अभिनेत्री अमानी भाजपा में शामिल हुईं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। जानीमानी तेलुगु अभिनेत्री अमानी शनिवार को केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना इकाई अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव की मौजूदगी में यहां भाजपा में शामिल हो गईं।

भाजपा सूत्रों ने बताया कि अमानी के साथ मशहूर मेकअप आर्टिस्ट सोभा लता भी पार्टी में शामिल हुईं। वर्ष 1990 के दशक की लोकप्रिय अग्रणी अभिनेत्री अमानी ने कमल हासन, नागार्जुन अक्किनेनी, बालकृष्ण और जगपति बाबू सहित शीर्ष अभिनेताओं के साथ फिल्मों में काम किया है। उनकी कुछ उल्लेखनीय फिल्मों में 'सुबह संकल्पम', 'शुभ लगनम', 'मिस्टर पेल्लम', 'घराना बुल्लोडु' और 'हैलो ब्रदर' शामिल हैं। फीचर फिल्मों के अलावा वह टेलीविजन धारावाहिकों में भी सक्रिय हैं।

आवासीय परियोजनाओं के लिए निर्माण वित्त नीति पर पुनर्विचार करेगा एसबीआई: चेयरमैन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सी एस सेट्टी ने शनिवार को कहा कि बैंक आवासीय रियल एस्टेट परियोजनाओं के लिए निर्माण वित्त से जुड़ी अपनी नीति पर फिर से विचार करेगा। उन्होंने साथ ही इस बात पर जोर दिया कि ऐसे ऋणों के लिए ब्याज दर तय करने में जवाबदेही और पारदर्शिता प्रमुख कारक होंगे।

इस समय आवासीय परियोजनाओं के निर्माण वित्त में बैंक की मौजूदगी लगभग नगण्य है, हालांकि वह वाणिज्यिक रियल एस्टेट में धीरे-धीरे अपना पोर्टफोलियो तैयार कर रहा है। उन्होंने अत्यधिक उधारी के कारण अतीत में हुई विफलताओं का जिक्र करते हुए कहा, ''हमें निर्माण (वित्त) पर, खासकर आवासीय रियल एस्टेट में किस तरह काम करना चाहिए, इस पर हम विचार कर रहे हैं। लेकिन यह भी एक तथ्य है कि जो लोग आवासीय रियल एस्टेट बाजार में बहुत आक्रामक रहे हैं, उन्होंने नुकसान उठाया है।'' उन्होंने रियल एस्टेट विकासकर्ताओं की संस्था क्रेडाई के एक कार्यक्रम में कहा, ''पारदर्शिता, परियोजना प्रबंधन और जोखिम प्रबंधन के संदर्भ में स्थिरता हमें कुछ भरोसा देती है जवाबदेही ही वह चीज है जो हमारे जैसे ऋणदाताओं को विश्वास दिलाएगी, और तब आप अपेक्षाकृत कम लागत पर निर्माण वित्त पा सकेंगे।''

वाणिज्यिक रियल एस्टेट के संबंध में सेट्टी ने कहा कि डेवलपर्स को आगामी कार्यालय स्थल परियोजनाओं के लिए निर्माण वित्त हासिल करने हेतु संभावित किरायेदारों से कम से कम 4050 प्रतिशत की प्रतिबद्धता सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''हम ऐसी स्थिति नहीं चाहते कि हमारे पास इमारत तो हो, लेकिन वह खाली पड़ी हो।''

महात्मा गांधी की विरासत को मिटाने के प्रयासों की कीमत भाजपा को चुकानी पड़ेगी : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। कांग्रेस की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष बी महेश कुमार गौड़ ने शनिवार को कहा कि महात्मा गांधी की विरासत को मिटाने के प्रयासों के लिए भाजपा को भविष्य में इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। गौड़ ने सिकंदराबाद में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने सत्तारूढ़ कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया था। यह विरोध प्रदर्शन केंद्र सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) योजना के स्थान पर वीबी-जी राम जी विधेयक लाने के विरोध में किया गया था।

गौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रयासों के बावजूद गांधीजी देशवासियों के दिलों में हमेशा बसे रहेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''आज महात्मा गांधी को भुलाने, देश के इतिहास को फिर से लिखने और संविधान को पूरी तरह से बदलने के प्रयास किए जा रहे हैं। मोदी जी, यह एक धर्मनिरपेक्ष देश है। आपके ये प्रयास सफल

नहीं होंगे।'' उन्होंने दावा किया कि केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार मनरेगा को बदलने के अपने फैसले से पीछे नहीं हटी, हालांकि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नेतृत्व में विपक्ष ने संसद में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस विधेयक से गांधीजी के प्रति भाजपा की नापसंदगी झलकती है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि लोग घटनाक्रम पर नजर रख रहे हैं और भविष्य में भाजपा का पतन अपरिहार्य है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में कांग्रेस केंद्र में सत्ता में आएगी और कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में महात्मा गांधी का नाम फिर से चर्चा में आएगा। संसद ने बृहस्पतिवार को 'विकसित भारत- जी राम जी विधेयक, 2025' को मंजूरी दी।

लोगों को बेहतर बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने के लिए काम कर रही है दिल्ली सरकार : प्रवेश वर्मा

नई दिल्ली/भाषा। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के मंत्री प्रवेश सिंह वर्मा ने शनिवार को कहा कि दिल्ली सरकार सत्ता में आने के बाद से लोगों को बेहतर बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक स्तर पर लगातार काम कर रही है।

दिल्ली सरकार के 'गवर्नमेंट ऑन व्हील्स' पहल के तहत, वर्मा ने सराय काले खान, आश्रम, लाजपत नगर, मूलचंद और आईआईटी-दिल्ली के पास की सड़कों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा, ''हमारी सरकार के सत्ता में आने के बाद से हम अच्छी सड़कें बनाने के लिए काम कर रहे हैं। निविदाएं जारी की जा रही हैं और हम लोगों को बेहतर बुनियादी ढांचा प्रदान करने के लिए प्रयासरत हैं।''

वर्मा ने कहा कि यह निरीक्षण इसलिए किया जाता है ताकि अनियमितताओं का पता लगाया जा सके। उन्होंने कहा, ''निरीक्षण के माध्यम से हमें पता चलता है कि कार्यालय में बैठकर हमें जो जानकारी दी जाती है और जमीनी हकीकत में क्या अंतर है।''

राष्ट्रीय राजधानी में अवसंरचना कार्यों की समीक्षा करने के लिए वर्मा द्वारा इस वर्ष 'गवर्नमेंट ऑन व्हील्स' नामक एक पहल शुरू की गई है।

भूमि अधिग्रहण अधिनियम को सख्ती से लागू करने की जरूरतः संसदीय समिति

नई दिल्ली/भाषा। संसद की एक समिति ने विशेष रूप से अनुसूचित क्षेत्रों में उचित मुआवजे और पारदर्शिता के अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन अधिनियम, 2013 को सख्ती से लागू करने का आह्वान किया है और इस अधिनियम के प्रावधानों के उल्लंघन को लेकर चिंता जताई है।

इस सप्ताह संसद में पेश की गई एक रिपोर्ट में ग्रामीण विकास और पंचायती राज संबंधी संसद की स्थायी समिति ने यह चिंता भी व्यक्त की है कि वैधानिक प्रावधानों के अस्तित्व में होने के बावजूद इनका उल्लंघन जारी है। कांग्रेस सांसद सप्तगिरी उलाका इस समिति के अध्यक्ष हैं। अनुसूचित क्षेत्र एक बड़ी जनजातीय आबादी वाले क्षेत्रों को संदर्भित करते हैं, जिन्हें संविधान की पांचवीं अनुसूची के तहत नामित किया गया है, जो जनजातीय कल्याण के लिए विशेष शासन प्रदान करता है। रिपोर्ट में 'उचित दस्तावेजीकरण या स्थानीय भाषा में सामग्री की उपलब्धता के बिना ग्राम सभा से विलंबित या सतही परामर्श, परामर्श प्रक्रिया से महिलाओं और कमजोर समूहों को वंचित रखे जाने और प्रभावित समुदायों के साथ वास्तविक बातचीत के बगैर अनुपालन प्रमाणपत्र जारी करने पर भी चिंता व्यक्त की गई है।

किसी भी मतभेद को 'इंडिया' गठबंधन के घटक दल आपस में सुलझा लेंगे : खुर्शीद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने शनिवार को कहा कि इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) के घटक दलों के बीच किसी भी तरह के मतभेद आपस में सुलझा लिए जाएंगे और उन्होंने ''संवेदनशील प्रकृति'' के मुद्दों पर गठबंधन सहयोगियों के बीच ''बेहतर संवाद'' का समर्थन किया। खुर्शीद नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के साथ संबंधों और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की हालिया टिप्पणी के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब दे रहे थे। अब्दुल्ला ने कहा था कि 'वोट चोरी' के खिलाफ चलाया गया अभियान कांग्रेस पार्टी का अपना एजेंडा था और इसका 'इंडिया' गठबंधन से कोई लेना-देना नहीं था।

इस मुद्दे को तवज्जो नहीं देते हुए, पूर्व केंद्रीय मंत्री ने विपक्षी गठबंधन के घटक दलों के बीच मौजूद ''कई समानताओं'' पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

खुर्शीद ने कांग्रेस पार्टी के रुख से अब्दुल्ला के दूरी बनाने के बारे में यहां पत्रकारों से कहा, ''हमने एक अभियान चलाया है। बेशक,

अगर उन्हें (अब्दुल्ला को) लगता है कि अभियान अनावश्यक है, तो मुझे यकीन है कि वह शीर्ष नेताओं के बीच इस बारे में बात करेंगे। मेरे लिए इस पर टिप्पणी करना उचित नहीं है।'' कांग्रेस नेता 'महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम' (मनरेगा) और नेशनल हेराल्ड मामले के मुद्दों पर पार्टी के राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत एक प्रेस वार्ता को संबोधित करने के लिए यहां आए थे। उन्होंने कहा कि देश के विपक्षी नेताओं द्वारा कई बैठकें आयोजित करने के बाद गठबंधन बना, जिसमें अब्दुल्ला भी मौजूद थे।

पूर्व विदेश मंत्री ने कहा, ''उन्होंने मिलकर यह निष्कर्ष निकाला कि उन्हें गठबंधन करना होगा। और वह गठबंधन पिछले साल हुए संसदीय चुनावों में बहुत सफल रहा। हो सकता है कि हमें 100 प्रतिशत सफलता न मिली हो, लेकिन हमने उच्च स्तर की सफलता हासिल की।''

मुंबई के लोग भाजपा की धार्मिक राजनीति को नकार देंगे : वर्षा गायकवाड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। कांग्रेस की मुंबई इकाई की अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ ने शनिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की धार्मिक राजनीति और दोहरे मापदंड को महानगर के मतदाता खारिज कर देंगे और वो (मतदाता) मूलभूत नागरिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

मुंबई समेत 29 महानगर पालिकाओं के लिए 15 जनवरी को चुनाव होंगे और मतगणना अगले दिन होगी। गायकवाड़ ने कहा, जब भी चुनाव आते हैं, भाजपा धार्मिक राजनीति करना शुरू कर देती है। उन्होंने कहा कि जहां भाजपा की मुंबई इकाई के प्रमुख अमित साटम का दावा है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नवाब मलिक अस्वीकार्य हैं, वहीं अजित पवार के नेतृत्व वाली पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे वरिष्ठ भाजपा नेता आशीष शेलार से बातचीत करते हैं। उन्होंने कहा,

भाजपा कहती है कि नवाब मलिक अस्वीकार्य हैं, फिर भी उनकी (विधायक) बेटी सना मलिक भाजपा सरकार के पक्ष में वोट देती हैं। इससे पार्टी का दोहरा मापदंड स्पष्ट रूप से उजागर होता है। गायकवाड़ ने कहा कि सत्ता में बने रहने, इसके लाभों का आनंद लेने और चुनाव के दौरान धार्मिक राजनीति का सहारा लेने का भाजपा का रवैया मुंबई की जनता के सामने स्पष्ट है। लोकसभा सदस्य ने कहा, मुंबईवासी इससे गुमराह नहीं होंगे। वे सड़कों, यातायात जाम, स्वच्छ पेयजल और वायु गुणवत्ता जैसे वास्तविक नागरिक मुद्दों पर मतदान करेंगे। कांग्रेस प्रभारी रमेश चेन्निथला ने कहा कि पार्टी मुंबई नगर निगम चुनाव अपने दम पर लड़ेगी और नागरिकों को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेगी।

भारत में अब चिकित्सा शिक्षा में सुविधाओं, आधारभूत ढांचे की कमी नहीं : जेपी नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने शनिवार को चिकित्सकों से अनुरोध किया कि वे अब सुविधाओं और आधारभूत ढांचे की कमी का बहाना बनाकर विदेश नहीं जाएं, क्योंकि हमारा विद्यार्थी अब सुविधाओं और आधारभूत ढांचा नहीं होने की शिकायत नहीं कर सकता।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने शनिवार को यहां किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के 21वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जिनको बाहर (विदेश) जाना है जाएं, लेकिन ये कहकर न जाएं कि हमारे पास सुविधाएं नहीं हैं, आधारभूत ढांचा नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यहां संस्थान भी है, सुविधाएं भी हैं और आधारभूत ढांचा भी है, उसका उपयोग करिए। नड्डा ने केजीएमयू की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि इस देश में 20वीं शताब्दी के अंत तक सिर्फ एक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) था, जब मेधावी विदेश जाते थे और उनसे यह पूछा जाता कि वे लंदन क्यों जा रहे हैं, तो वे सुविधाओं के नहीं होने की शिकायत करते थे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, ''आज गर्व के साथ कह सकता हूं कि जहां एक एम्स था, वहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज 23 अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान हैं। इसलिए हमारा विद्यार्थी अब सुविधाओं और आधारभूत ढांचे के नहीं होने की शिकायत नहीं कर सकता है।'' नड्डा ने दीक्षांत समारोह को स्वर्णिम अवसर करार देते हुए कहा कि इस तरह का समारोह खुशी का मौका होता है, खासतौर से विद्यार्थियों ने अपनी कड़ी मेहनत से जो मानवता की सेवा की है और चिकित्सा के क्षेत्र में जो स्थान बनाया है उसको प्रतिष्ठित करने का अवसर होता है। उन्होंने विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों और अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि हमारी संस्कृति में बच्चों की परवरिश तपस्या के रूप में होती है और ऐसी सफलता मिलने पर विद्यार्थियों से ज्यादा खुशी उनके माता पिता को होती है।

लोकतंत्र की ताकतः कभी बंधुआ मजदूर रही आदिवासी महिला बनी सरपंच

हैदराबाद/भाषा। बंधुआ मजदूर से गांव की सरपंच बनने तक का पुरुसाला लिंगम्मा का सफर लोकतंत्र की ताकत की मिसाल है। नागरकुरनूल जिले की चेंचू जनजाति की महिला लिंगम्मा हाल में तेलंगाना के ग्राम पंचायत चुनाव में अमरागिरि गांव की सरपंच चुनी गईं। लगभग 40 वर्षीय निरक्षर महिला लिंगम्मा बचपन से लेकर कई दशकों तक जिले के नल्लामाला जंगलों में बंधुआ मजदूरी किया करती थीं और उन्हें कई साल पहले सरकारी अधिकारियों ने बंधुआ मजदूरी से मुक्त कराया था। लिंगम्मा ने शनिवार को बताया कि वह और उनके परिवार के अन्य सदस्य बंधुआ मजदूर के रूप में मछली पकड़ने जाते थे। उनके माता-पिता भी बंधुआ मजदूरी करते थे। उन्होंने कहा, हमें यह भी नहीं पता था कि हम पर कितना कर्ज है। वे हमें जाल देते थे और हमें मछली पकड़ने जाना पड़ता था। उन दिनों हमारे पास खाने के लिए भी कुछ नहीं हुआ करता था।

मोदी सरकार ने मनरेगा पर बुलडोजर चलाया, नए काले कानून के खिलाफ लड़ने को प्रतिबद्ध : सोनिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक' संसद से पारित होने के बाद शनिवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने मनरेगा पर बुलडोजर चला दिया है और करोड़ों किसानों, श्रमिकों एवं भूमिहीन ग्रामीण वर्ग के गरीबों के हितों पर हमला किया है। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी नए काले कानून के खिलाफ लड़ाई को प्रतिबद्ध हैं।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने एक वीडियो संदेश में कहा, मुझे आज भी याद है, 20 साल पहले डॉ. मनमोहन सिंह जी प्रधानमंत्री थे, तब संसद में मनरेगा कानून आम राय से पास किया गया था। यह ऐसा क्रांतिकारी कदम था, जिसका

फायदा करोड़ों ग्रामीण परिवारों को मिला था। खासतौर पर वंचित, शोषित, गरीब और अतिगरीब लोगों के लिए रोजी-रोटी का जरिया बना। उन्होंने कहा, रोजगार के लिए अपनी माटी, अपना गांव, अपना घर-परिवार छोड़कर पलायन करने पर रोक लगी। रोजगार का कानूनी हक दिया गया, साथ ही ग्राम पंचायतों को ताकत मिली। मनरेगा के जरिए महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के सपनों के भारत की ओर एक ठोस कदम उठाया गया। उन्होंने दावा किया कि पिछले 11 साल में मोदी सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों के बेरोजगार, गरीबों और वंचितों के हितों को नजरअंदाज कर मनरेगा को कमजोर करने की हर कोशिश की, जबकि कोविड के वक़्त ये गरीब वर्ग के लिए संजीवनी साबित हुआ। सोनिया गांधी ने कहा, बहुत अफसोस की बात है कि अभी हाल में सरकार ने मनरेगा पर बुलडोजर चला दिया। न सिर्फ महात्मा गांधी का नाम हटाया गया, बल्कि मनरेगा का रूप-स्वरूप बिना विचार-विमर्श किए, बिना किसी से सलाह-मशवरा किए, बिना विपक्ष को विश्वास में लिए मनमाने ढंग से बदल दिया गया। उनका कहना है, अब किसको, कितना, कहां और किस तरह रोजगार मिलेगा, यह जमीनी हकीकत से दूर दिल्ली में बैठकर सरकार तय करेगी। सोनिया गांधी ने कहा, कांग्रेस का मनरेगा को लाने और लागू करने में बड़ा योगदान था, लेकिन यह पार्टी से जुड़ा मामला कभी नहीं था। ये देशहित और जनहित से जुड़ी योजना थी।

'प्रधानमंत्री के विकसित भारत का लक्ष्य, केंद्र-राज्य के समन्वय से ही संभव'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने शनिवार को कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित और आत्मनिर्भर भारत का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'विजन' तभी साकार हो सकता है, जब केंद्र-राज्य सरकारें पूर्ण समन्वय के साथ कार्य करें।

केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री खट्टर ने यहां कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में आयोजित शहरी विकास मंत्रियों की क्षेत्रीय बैठक (उत्तर एवं मध्य राज्य) को संबोधित करते हुए कहा कि सभी राज्यों को शहरी विकास के लिए केंद्र सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए बजट का समयबद्ध उपयोग करना चाहिए।

इस बैठक में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के शहरी विकास मंत्रियों के साथ वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। खट्टर ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी का 2047 तक विकसित व आत्मनिर्भर भारत का विजन तभी पूरा होगा, जब केंद्र और राज्य

सरकारें पूर्ण समन्वय से काम करें। राज्यों को शहरी विकास के लिए केंद्र के बजट का समय पर उपयोग करना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के लिए तैयार 'एक्शन गाइडलाइंस बुकलेट' का भी विमोचन किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 तक शहरी क्षेत्रों में रहने वाली आबादी कुल जनसंख्या का लगभग 50 प्रतिशत होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि शहरी योजनाओं को इसी दृष्टि से लागू करने पर ही विकसित और आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य हासिल किया जा सकेगा।

खट्टर ने कहा कि केंद्र सरकार राज्यों के विकास के लिए एक सहयोगी प्रणाली के रूप में कार्य करती है लेकिन राज्य सरकारों को भी ठोस प्रयास करने होंगे। उन्होंने बताया कि शहरी कार्य मंत्रालय ने योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए क्षेत्रवार बैठकें आयोजित करने का निर्णय लिया है क्योंकि प्रत्येक राज्य की भौगोलिक स्थिति और चुनौतियां अलग-अलग हैं।

खट्टर ने कहा कि इन क्षेत्रीय बैठकों का मुख्य ध्यान प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई), अमृत योजना, स्वच्छ भारत मिशन और शहरी परिवहन प्रणालियों पर रहेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत पूर्ण हो चुके मकानों के आवंटन में कमी पर चिंता जताई और राज्य सरकारों से सार्वजनिक वित्तीय भागीदारी का प्रभावी उपयोग करने के प्रयास करने को कहा।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पार्टी नेताओं के साथ केंद्र सरकार के मनरेगा की जगह रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) बिल लाने और नेशनल हेराल्ड केस में पार्टी लीडरशिप के खिलाफ कथित हेट पॉलिटिक्स के खिलाफ बेंगलूरु में शनिवार को विरोध प्रदर्शन करते हुए।

कांग्रेस ने मनरेगा को हटाने और नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर विरोध प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने केंद्र सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) योजना में बदलाव के विरोध में शनिवार को प्रदर्शन किया। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष एवं उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के नेतृत्व में फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन का आयोजन हुआ। इस प्रदर्शन में पार्टी के कई नेता और विधायक शामिल हुए।

कांग्रेस नेताओं ने प्रदर्शन के दौरान नेशनल हेराल्ड मामले में पार्टी नेतृत्व के खिलाफ कथित 'घृणास्पद राजनीति' का आरोप भी लगाया। इससे पहले, शिवकुमार ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, मंत्रियों और कांग्रेस विधायकों के साथ मिलकर 17 दिसंबर को बेलगावी के सुवर्ण विधान सौधा स्थित गांधी प्रतिमा के सामने इस मुद्दे पर आयोजित विरोध प्रदर्शन में भाग लिया था। राज्य के विभिन्न जिलों और तालुका केंद्रों में भी इसी तरह के विरोध प्रदर्शन हुए।

संसद ने बृहस्पतिवार को 'विकसित भारत– जी राम जी विधेयक, 2025' को मंजूरी दी। यह महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की जगह लेगा। विपक्षी दलों ने महात्मा गांधी का नाम हटाए जाने को लेकर इस विधेयक का कड़ा विरोध किया है। दिल्ली की अदालत ने मंगलवार को अपने आदेश में नेशनल हेराल्ड मामले में लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी तथा पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के खिलाफ ईडी की शिकायत पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था। अदालत ने कहा कि एक निर्धारित अपराध के लिए प्राथमिकी के अभाव में धन शोधन के आरोपों की जांच नहीं की जा सकती है।

धर्मस्थल मामले में आरोपी चिनैया ने पुलिस सुरक्षा की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। धर्मस्थल मामले में झूठी गवाही देने के आरोप में गिरफ्तार होने और फिर जमानत पर रिहा होने वाले सीएन चिनैया ने अपने और परिजनों के जीवन को खतरा होने का दावा करते हुए पांच लोगों के खिलाफ पुलिस में शिकायत की है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि चिनैया ने महेश शेट्टी तिमारोडी, गिरीश मट्टेनवर, टी जयंत, विट्ठल गौड़ा और यूट्यूबर समीर एमडी से जान को खतरा होने की शिकायत की है।

यूट्यूबर समीर एमडी ने नौ अक्टूबर 2012 को धर्मस्थल के निकट 17 वर्षीय एक किशोरी से कथित दुष्कर्म व उसकी हत्या के मामले में न्याय की मांग करते हुए चलाये गए अभियान की अगुवाई की थी।

पुलिस ने कहा कि चिनैया का दावा है कि शिकायत में नामजद लोग धर्मस्थल में दुष्कर्म, हत्या और शवों को दफनाने के आरोपों के संबंध में बयान वापस लेने की वजह से उसे और उसकी पत्नी को नुकसान पहुंचा सकते हैं। शिकायत में नामजद लोगों पर धर्मस्थल मामले में झूठी शिकायत दर्ज कराने के लिए चिनैया पर दबाव बनाने का आरोप है। 18 दिसंबर को शिवमोगा जेल से जमानत पर रिहा हुए चिनैया ने उसी शाम धर्मस्थल पुलिस थाना के अधिकारियों से संपर्क किया था। पुलिस ने बताया कि चिनैया ने अधिकारियों से उसे और उसके परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। बेलथांगडी पुलिस ने इस मामले में शिकायत दर्ज की है। दक्षिण कन्नड़ के पुलिस उपाधीक्षक अरुण के. ने कहा कि इस शिकायत के संबंध में आगे की कानूनी प्रक्रियाएं की जाएंगी। नवंबर में दाखिल विशेष जांच दल (एसआईटी) के 3,900 पृष्ठों के आरोप पत्र में चिनैया और चार अन्य लोगों -- महेश शेट्टी तिमारोडी, गिरीश मट्टेनवर, टी जयंत और विट्ठल गौड़ा पर झूठा साक्ष्य देने, धोखाधड़ी करने और षडयंत्र रचने का आरोप है।

जांच में 18 स्थानों पर की गई खुदाई में, दुष्कर्म और हत्या के बाद शवों को दफनाने का कोई साक्ष्य नहीं पाया गया और वहां मिले ज्यादातर कंकाल पुरुषों के थे।

बाद में चिनैया ने स्वीकार किया कि उसने मजबूरी में गलत बयान दिया था। पूर्व सफाईकर्मी चिनैया को 23 अगस्त को गिरफ्तार किया गया था। चिनैया पर आरोप है कि उसने 1995 और 2014 के बीच कई शवों को धर्मस्थल में दफनाया था।

यह मामला कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिला स्थित धर्मस्थल नामक स्थान पर, वर्ष 2017 और 2019 के बीच पोस्टमार्टम समेत आवश्यक कानूनी प्रक्रियाओं के बिना कथित तौर पर कई अज्ञात शवों को दफनाए जाने से संबंधित है।

सीतारमण ने कर्नाटक के सरकारी स्कूलों में 'विजयपथ' एआई लैब का शुभारंभ किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हम्पी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को यहां सरकारी स्कूलों में कृत्रिम मेधा, एसटीईएम और रोबोटिक्स शिक्षा तक पहुंच को सुलभ बनाने के लिए 'सायंट एआई लैब – विजयपथ' की शुरुआत की। वित्त मंत्रालय ने एक्स' पर पोस्ट कर होसपेटे तालुक के एक सरकारी बालिका विद्यालय में शुरू की गई इस पहल की तस्वीरें साझा कीं। इसमें बताया गया कि प्रायौगिकी चरण के तहत सरकारी स्कूलों में पांच विश्वस्तरीय एआई, एसटीईएम और रोबोटिक्स प्रयोगशालाएं स्थापित की जा रही हैं।प्रत्येक प्रयोगशाला में उच्च क्षमता वाले कंप्यूटर, एआई सक्षम सॉफ्टवेयर, रोबोटिक्स किट, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) उपकरण, सेंसर और सुरक्षित ब्रॉडबैंड संपर्क उपलब्ध कराया जाएगा। मंत्रालय ने कहा, ''नयी शिक्षा नीति (एनईपी) 2020, डिजिटल इंडिया और प्रधानमंत्री नरेन्द मोदी के विकसित भारत 2047' मिशन के अनुरूप, यह कार्यक्रम सीबीएसई के एआई पाठ्यक्रम को एकीकृत करता है और सार्वजनिक शिक्षा में तकनीक आधारित शिक्षण को बढ़ावा देता है।'' ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत पर विशेष ध्यान देते हुए यह पहल स्कूल स्तर पर भविष्य की तकनीकों को पेश करती है, जिससे छात्रों में प्रारंभिक डिजिटल दक्षता और नवाचार क्षमता का विकास होता है।

नेतृत्व मुद्दा : शिवकुमार ने कहा, कांग्रेस आलाकमान हमें 'उचित समय' पर बुलाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से जुड़ा नेतृत्व का मुद्दा फिर से सामने आने के बाद, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस आलाकमान ने दोनों नेताओं को बता दिया है कि इस मामले पर चर्चा करने के लिए उन्हें दिल्ली कब बुलाया जाएगा। शिवकुमार ने कहा कि बुलाए जाने पर वे दोनों दिल्ली जाकर आलाकमान से मिलेंगे।

हाल में समाप्त हुए विधानमंडल सत्र के बाद पार्टी आलाकमान से मिलने के लिए शिवकुमार और सिद्दरामय्या की संभावित यात्रा के बारे में पूछे जाने पर उपमुख्यमंत्री ने पत्रकारों से कहा, मैं आपको सूचित करूंगा, बिना बताए कुछ नहीं करूंगा। मैं आपसे छिपूंगा नहीं। जब शिवकुमार से पूछा गया कि क्या उन्हें और मुख्यमंत्री को दिल्ली बुलाया गया है, तो उपमुख्यमंत्री ने कहा, उन्होंने हम दोनों से कुछ कहा है, उन्होंने फोन पर बताया है कि वे हमें कब बुलाएंगे। हम दोनों जाएंगे।

कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष शिवकुमार ने कहा, उन्होंने (आलाकमान ने) कहा है कि वे उचित समय पर हम दोनों को बुलाएंगे, हम कॉल का इंतजार करेंगे।

शिवकुमार के इस बयान से एक दिन पहले सिद्दरामय्या ने विधानसभा में कहा था कि वह अपने पद पर बने रहेंगे। कांग्रेस नीत सरकार के पांच साल के कार्यकाल का आधा सफर तय करने के साथ राज्य में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलों के बीच सत्तारूढ़ पार्टी के भीतर खींचतान तेज हो गई है। 2023 में सिद्दरामय्या और शिवकुमार के बीच हुए सत्ता-साझाकरण समझौते ने इन अटकलों को और हवा दी। इस बीच, कुछ 'नागा साधुओं' ने उपमुख्यमंत्री के आवास पर जाकर उन्हें आशीर्वाद दिया।

जल संसाधन मंत्री शिवकुमार ने बताया कि वह मंगलवार को विभिन्न केंद्रीय मंत्रियों से मिलने के लिए दिल्ली जा रहे हैं। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार के जल संसाधन विभाग ने नदियों को जोड़ने के संबंध में हमें बुलाया है। केंद्र में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा मौजूदा ग्रामीण रोजगार कानून मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) को बदलने और उससे महात्मा गांधी का नाम हटाने पर हमला करते हुए, शिवकुमार ने सरकार पर राष्ट्रपिता का अपमान करने का आरोप लगाया।

मंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट करने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

गदग। कर्नाटक में मंत्री एचके पाटिल के खिलाफ आपत्तिजनक और भड़काऊ सामग्री पोस्ट करने के आरोप में शनिवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान वीरन्ना पी बीलागी के रूप में हुई है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बीलागी ने हाल ही में अपने फेसबुक पेज पर राज्य के कानून और संसदीय मामलों के मंत्री को निशाना बनाते हुए आपत्तिजनक टिप्पणियां पोस्ट की थीं, जिसे लेकर बेतागेरी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी।

अधिकारी के मुताबिक, शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया और बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारी ने बताया कि मामले में जांच की जा रही है।

दिव्यांगों को स्किलिंग और रोजगार के साथ लेकर चलने में कर्नाटक अव्वल

बेंगलूरु। 'एक स्किल्ड और सबको साथ लेकर चलने वाला समाज बनाने के' कर्नाटक के प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, कौशल विकास और मेडीकल शिक्षा मंत्री डॉ.शरणप्रकाश आर पाटिल ने कहा कि सबको साथ लेकर चलने वाला विकास एक नैतिक और आर्थिक ज़रूरत दोनों है। शनिवार को केएसडीए, केएसडीसी अमिया एसिस टेक फाउन्डेशन द्वारा मिलकर आयोजित बीएमएस विमेंस कॉलेज में दिव्यांग लोगों के लिए एक खास रोज़गार प्लेटफॉर्म, जॉब हब्बा को संबोधित करते हुए, इस रोजगार मेले में दिव्यांग नौकरी ढूंढने वाले, एम्प्लॉयर, ट्रेनिंग पार्टनर और सिविल सोसाइटी टैलेंट, सबको साथ लेकर चलने और मौके का जश्न मनाने के लिए एक साथ आए। डॉ. पाटिल ने कहा कि कर्नाटक में 20 लाख से ज़्यादा दिव्यांग लोग रहते हैं और राज्य शिक्षा और रोज़गार दोनों में मौके बढ़ाने के लिए एक नए फ्रेमवर्क पर काम कर रहा है।

उन्होंने कहा, काम की जगह के तरीकों और नज़रिए को बदलने की तुरंत ज़रूरत है क्योंकि देश भर में कॉर्पोरेट वर्कफोर्स में दिव्यांग लोगों का रिप्रेजेंटेशन कम देखा जाता है।

मंत्री ने कर्नाटक राइटस ऑफ़ पर्सन्स विद डिसेबिलिटीज़ इन एम्प्लॉयमेंट एंड एजुकेशन बिल, 2025 के ड्राफ़्ट पर रोशनी डाली, जिसमें प्राइवेट सेक्टर में 5 प्रतिशत जॉब कोटा और एजुकेशनल इंस्टिट्यूशन में डिसेबिलिटीज़ वाले लोगों के लिए 10 प्रतिशत रिज़र्वेशन का प्रस्ताव है।

उन्होंने कहा कि यह देश के सबसे आगे के उपायों में से एक होगा और कर्नाटक स्किल डेवलपमेंट पॉलिसी 2025-32 से काफी मिलता-जुलता है, जो इनक्लूसिव स्किलिंग, इंडस्ट्री पार्टनरशिप, एक्सेसिबल इंफ्रास्ट्रक्चर और टेक्नोलॉजी-इनेबल्ड ट्रेनिंग पर फोकस करती है।

बागलकोट में दिव्यांग नाबालिग लड़के के साथ की क्रूरता की हदें पार, दंपति पर केस दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बागलकोट। कर्नाटक में बागलकोट में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। नवनगर इलाके के सेक्टर 54 में स्थित दृष्टिबाधित बच्चों के स्कूल के मालिक ने 16 वर्षीय दिव्यांग लड़के को बेरहमी से पीटा। क्रूरता की हद तब पार हो गई, जब उसकी आंखों में मिर्च डाल दी गई। आरोप है कि गैर सरकारी संगठन के मालिक अक्षय इंदुलकर ने लड़के को बेरहमी से पीटा और उसे चोटें पहुंचाने के लिए बेल्ट और प्लास्टिक पाइप का इस्तेमाल किया। घटना के दौरान अन्य लोग भी मौजूद थे। आरोपी की पत्नी ने भी लड़के की आंखों में मिर्च पाउडर फेंका। यह घटना तीन महीने पहले घटी थी, लेकिन पीड़ित के माता-पिता द्वारा घटना के वीडियो देखने के बाद ही इसका खुलासा हुआ। उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और इस जघन्य कृत्य के पीछे के मकसद का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के माता-पिता ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। फिलहाल आरोपी पति-पत्नी को पुलिस स्टेशन में हिरासत में लिया गया है और एफआईआर की गई है। शुक्रवार को कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने विधानसभा को सूचित किया था कि राज्य में 2025 में अपराध दर में उल्लेखनीय गिरावट आई है। गृह मंत्री ने सदन को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष हत्या, लूट, डकैती, मारपीट, दंगे, बलात्कार और महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामलों में उल्लेखनीय कमी आई है। राज्य के गृह मंत्री विपक्षी नेताओं के उन दावों का जवाब दे रहे थे, जिनमें उन्होंने राज्य में कानून व्यवस्था के पूरी तरह ध्वस्त होने का आरोप लगाया था और गंभीर अपराधों में पुलिस अधिकारियों की संलिप्तता पर चिंता व्यक्त की थी। जी. परमेश्वर ने राज्य में पिछले छह वर्षों के अपराधों से संबंधित आंकड़े प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि 2019 में हत्या के 1589 मामले दर्ज किए गए। 2020 में 1315, 2021 में 1340, 2022 में 1365, 2023 में 1293, 2024 में 1208 और 2025 में 1131 मामले दर्ज किए गए। 2023 में बलात्कार के 600 मामले दर्ज किए गए। 2024 में 632 मामले और 2025 में बलात्कार के 51 प्रतिशत मामले दर्ज किए गए।

ड्रोग पैराशूट का श्रृंखलाबद्ध मानक परीक्षण सफल: इसरो

बेंगलूरु। इसरो के गगनयान चालक दल मॉड्यूल के वास्ते गति-मंदन प्रणाली विकसित करने के लिए ड्रोग पैराशूट का श्रृंखलाबद्ध मानक परीक्षण सफल रहा है। यह जानकारी अंतरिक्ष एजेंसी ने शनिवार को दी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बताया कि ये परीक्षण 18 और 19 दिसंबर को चंडीगढ़ में टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लेबोरेटरी (टीबीआरएल) की रेल ट्रैक रॉकेट स्लेड इकाई में पूरे किए गए। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि गगनयान क्रू मॉड्यूल के गति-मंदन प्रणाली में चार तरह के कुल 10 पैराशूट शामिल हैं। इसरो के अनुसार, अवरोहण क्रम की शुरुआत दो एपेक्स कवर सेपरेशन पैराशूट्स के अलग होने से होती है।

मुलाकात

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार बेंगलूरु में अपने घर पर 'नागा साधुओं' के साथ मुलाकात करते हुए।

न्यायालय ने सोने की तस्करी मामले में रान्या राव की हिरासत में हस्तक्षेप करने से किया इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने इस साल की शुरुआत में दर्ज किए गए सोने की तस्करी मामले में कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव को विदेशी मुद्रा और तस्करी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (सीओएफईपीओएसए) के तहत एहतियातन हिरासत में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। न्यायमूर्ति अनु शिवरमन और न्यायमूर्ति विजयकुमार ए. पाटिल की खंडपीठ ने शुक्रवार को राव की मां, एच. पी. रोहिणी द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने सीओएफईपीओएसए के तहत अपनी बेटी के खिलाफ जारी हिरासत आदेश की वैधता पर सवाल उठाया था।

राव को राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने तीन मार्च 2025 को केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया था। एजेंसी ने आरोप लगाया है कि राव के पास से 14.2 किलोग्राम सोना बरामद किया गया, जिसकी कीमत 12.56 करोड़ रुपये है। डीआरआई के अनुसार, राव ने कथित तौर पर सोने को बेल्ट और जैकेट में छिपाकर सीमा शुल्क जांच से बचने का प्रयास किया।

जांचकर्ताओं का दावा है कि राव ने जांच से बचने के लिए हवाई अड्डे के वीवीआईपी निकास द्वार का भी इस्तेमाल किया। राव के आवास पर तलाशी के दौरान कथित तौर पर 2.06 करोड़ रुपये के आभूषण और 2.67 करोड़ रुपये नगद जब्त किए गए। राव की दुबई की लगातार यात्रा और हवाई अड्डे पर विशेष पहुंच के कथित दुरुपयोग की खबरों के बाद इस मामले ने व्यापक ध्यान आकर्षित किया।

नहर में गिरने से एक छात्र की मौत

कोटा/दक्षिण भारत। राजस्थान के कोटा में कुन्हाड़ी इलाके में मुख्य नहर में कथित तौर पर गिरे 24 वर्षीय युवक का शव शुक्रवार सुबह मिला। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान जयपुर जिले के निवासी लोकेश कुमावत के रूप में हुई है। वह कोटा में राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (यूजी) की तीन से चार साल से तैयारी कर रहा था और शहर के कुन्हाड़ी इलाके के एक छात्रावास में रह रहा था। यह घटना बृहस्पतिवार शाम को उस समय हुयी जब कुमावत अपने दोस्तों के साथ शहर के पिकनिक स्थलों का भ्रमण करके छात्रावास लौट रहा था। कुन्हाड़ी के सर्कल निरीक्षक (सीआई) मंगललाल यादव ने बताया कि शाम करीब छह बजे वह मुख्य नहर पर रुका और नहर के पानी में चेहरा धोने के लिए नीचे उतरा। उन्होंने बताया कि वह गलती से पानी में गिर गया और नहर की तेज धारा में बह गया। उन्होंने कहा कि घटना के तुरंत बाद तलाश अभियान शुरू किया गया था। सीआई ने बताया कि शुक्रवार की सुबह बाद में शव नांता इलाके में लगभग 400-500 मीटर दूर मिला और प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि यह एक दुर्घटना थी। नांता सर्कल निरीक्षक चेतन शर्मा ने बताया कि दिन में बाद में पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिवार वालों को सौंप दिया। परिवार के सदस्यों ने आकस्मिक मृत्यु पर कोई संदेह नहीं जताया और न ही कोई आरोप लगाया। शर्मा ने बताया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

गहलोत ने बांग्लादेश में हिंदुओं को निशाना बनाए जाने पर चिंता जताई

जयपुर/दक्षिण भारत। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने पड़ोसी देश बांग्लादेश में ताजा हिंसा व हिंदुओं को निशाना बनाए जाने पर चिंता जताई है। उन्होंने केंद्र सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा, बांग्लादेश में पुनः भड़की हिंसा और वहां हिन्दू अल्पसंख्यकों को निशाना बनाए जाने की घटनाएं अत्यंत चिंताजनक और निंदनीय हैं। उन्होंने कहा, आश्चर्य है कि भारत सरकार इस संवेदनशील मुद्दे पर लंबे समय से मूकदर्शक बनी हुई है। केंद्र की यह चुप्पी वहां भारत विरोधी बाहरी ताकतों को और बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार से आग्रह है कि वह 'वेट एंड वॉच' की नीति छोड़े और अविलंब कूटनीतिक स्तर पर हस्तक्षेप कर वहां रहने वाले अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश में पिछले वर्ष जुलाई में हुए विद्रोह के प्रमुख नेताओं में से एक शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शन और हिंसा की घटनाएं हुईं, जिससे देशभर में तनाव व्याप्त हो गया।

मेहंदीपुर बालाजी में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने किए दर्शन

दौसा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को प्रसिद्ध धार्मिक स्थल मेहंदीपुर बालाजी में दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने मंदिर के

गर्भगृह के सामने बैठकर विशेष पूजा-अर्चना की और देश में सुख-समृद्धि की कामना की। महंत नरेशपुरी महाराज के सानिध्य में पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विशेष पूजा संपन्न कराई। मुख्यमंत्री के बालाजी धाम आगमन पर खंडार विधायक जितेंद्र गोठवाल, भाजपा एससी मोर्चा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र गोठवाल, भाजपा दौसा जिलाध्यक्ष लक्ष्मी रेला, करौली जिलाध्यक्ष गोरधन सिंह जादौन, जिला महामंत्री लेखपाल कसाना, विपिन जैन तथा पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. रतन तिवाड़ी ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर देवेंद्र कुमार, एसपी सागर राणा, करौली एसपी लोकेश सोनवाल, एडीएम अरविंद शर्मा सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी एवं भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति देगी भारत को नई दिशा : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बांसवाड़ा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शिक्षा केवल अक्षरों का ज्ञान नहीं है, बल्कि वह प्रकाश है जो अज्ञानता के अंधकार को मिटाकर राष्ट्र के भविष्य को रोशन करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विश्वगुरु बनने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। यशस्वी प्रधानमंत्री नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लेकर आए हैं। यह नीति 21वीं सदी के भारत को नई दिशा देगी। शर्मा शनिवार को बांसवाड़ा के लियो इंटरनेशनल संस्थान में राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) के प्रदेश शैक्षिक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा के महत्व को लेकर बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने कहा था कि शिक्षा शेरनी का दूध है, जो पीएगा वो दहाड़ेगा। गरीब और वंचित समाज की प्रगति का एकमात्र जरिया शिक्षा ही है। उन्होंने कहा कि हमें ऐसी शिक्षा चाहिए जो बौद्धिक विकास के साथ ही आत्मिक और नैतिक विकास भी करे। शिक्षित के साथ संस्कारवान भी बनाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति सुनिश्चित करती है कि भाषा किसी विद्यार्थी की प्रगति में बाधा नहीं बने और प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में मिले। विद्यार्थियों में रटने की प्रवृत्ति के स्थान पर तार्किक सोच पैदा हो। वोकेशनल ट्रेनिंग के माध्यम से विद्यार्थी केवल डिग्री धारक नहीं, बल्कि दक्ष नागरिक बनें। विद्यार्थी किन्हीं परिस्थितियों में पढ़ाई छोड़ने के बाद उसे पुनः प्रारंभ कर सकें। उन्होंने कहा कि इस नीति को सफलता की नई ऊंचाइयों पर ले जाने में शिक्षकगणों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

शर्मा ने कहा कि शिक्षक की भूमिका केवल अक्षर या पुस्तक ज्ञान देने तक ही सीमित नहीं है, इनकी भूमिका बहुत व्यापक और महत्वपूर्ण है। इसीलिए शिक्षक को भविष्य निर्माता और राष्ट्र निर्माता कहा गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज के पथ-प्रदर्शक हैं। शिक्षक दीपक के समान समाज को आलोकित करता है और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य गढ़ता है। जब-जब समाज में परिवर्तन आया है, उसका नेतृत्व शिक्षक ने किया है। उन्होंने कहा कि चाणक्य ने एक साधारण बालक चंद्रगुप्त को सम्राट बनाया क्योंकि उनके पास शिक्षा और दृष्टिकोण की शक्ति थी। चाणक्य ने कहा कि प्रलय और निर्माण शिक्षक की गोद में पलते हैं। उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत' और 'विकसित राजस्थान' की नींव को मजबूत करने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी शिक्षकों के कंधों पर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने शिक्षण क्षेत्र में पिछले दो साल में अनेक अभूतपूर्व कदम उठाए हैं। राजकीय महाविद्यालयों के पुस्तकालयों में युवाओं के लिए परीक्षाओं की तैयारी करवाने की व्यवस्था शुरू की है। पहले चरण में 36 राजकीय कन्या महाविद्यालयों में अध्ययन सुविधा प्रारंभ की गई है। लघु, सीमांत, बटाईदार किसानों और खेतिहर श्रमिकों के बच्चों के लिए राजकीय महाविद्यालयों में राजकीय निधि कोष में लिया जाने वाला शुल्क माफ किया गया है।

शर्मा ने कहा कि 71 नवीन राजकीय महाविद्यालयों की स्थापना की गई है। 177 नए राजकीय महाविद्यालयों के भवन बनाए गए हैं। 17 महाविद्यालयों को यूजी से पीजी में क्रमोन्नत किया है। 41 जिला मुख्यालयों पर स्थित महाविद्यालयों में बीबीए कोर्स प्रारंभ किया गया है। उन्होंने कहा कि 7 संभाग मुख्यालयों पर स्थित महाविद्यालयों में बीसीए कोर्स प्रारंभ किए गए हैं। 41 जिला मुख्यालयों पर स्थित महाविद्यालयों में कंप्यूटर साइंस विषय प्रारंभ किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि काली बाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी एवं देवनारायण स्कूटी योजना के तहत 39 हजार 586 स्कूटियों का वितरण किया गया है। 65 हजार स्कूल भवनों की मरम्मत का कार्य करवाया जा रहा है। विद्यार्थियों को मानसिक अवसाद से बचाने एवं मानसिक संबल प्रदान करने के लिए राजस्थान कोचिंग सेंटर्स (कंट्रोल एंड रेग्यूलेशन बिल) 2025 पारित किया है। राज्य में 4 हजार से अधिक विद्यालयों में 8 हजार से अधिक स्मार्ट क्लासरूम स्थापित किए हैं।

शर्मा ने कहा कि 500 पीएम विद्यालयों में डिजिटल लाइब्रेरी खोली हैं। 714 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास स्थापित किए गए हैं। 142 पीएम विद्यालयों में ओ-लैब स्थापित की गई हैं। राजकीय विद्यालयों में अध्यनरत कक्षा 1 से 8 तक के समस्त बालक-बालिकाओं एवं कक्षा 9 से 12 की बालिकाओं को यूनिफॉर्म एवं स्कूल बैग के लिए 800 रुपये की सहायता राशि प्रति विद्यार्थी डीबीटी की जा रही है। अब तक 41 लाख 25 हजार विद्यार्थियों को 330 करोड़ रुपये से अधिक की राशि डीबीटी की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि 45 हजार 489 विभिन्न पदों पर पदोन्नतियां दी गई हैं। 10 लाख 51 लाख साइकिलें वितरित की गई हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सम्मेलन शिक्षकों के बीच विचार-विमर्श के साथ ही चिंतन का भी एक सशक्त मंच है। यहां से जो विचार निकलेंगे, वे हमारी शिक्षा नीति को और अधिक प्रभावी तरीके से क्रियान्वित करने में सहायक होंगे। उन्होंने शिक्षकों से अपील करते हुए कहा कि स्कूलों में ऐसा वातावरण तैयार करें जहां विद्यार्थी न केवल परीक्षा उत्तीर्ण करें, बल्कि एक स्वाभिमानी और राष्ट्रभक्त नागरिक बनकर निकलें। शर्मा ने कहा कि हमने संकल्प पत्र में जो वादे किए थे, उनमें से 70 प्रतिशत काम दो वर्ष में या तो पूरे कर लिए गए हैं या प्रगतिरत हैं। गत सरकार के पांच साल में कार्यों से ज्यादा हमने दो साल में काम किए हैं। उन्होंने कहा कि 92 हजार युवाओं को हमने नियुक्तियां दी हैं, 1 लाख 53 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। दो वर्ष में एक भी पेपरलीक नहीं हुआ, यह हमारी युवाओं के भविष्य को सुरक्षित बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सैनिक शब्द ही रगों में जोश जगाने वाला है : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि सैनिक कभी पूर्व नहीं होता। वह जब सेना में नहीं भी होता है तो राष्ट्र निर्माण में भागीदारी निभा रहा होता है। उन्होंने कहा कि सैनिक शब्द ही रगों में जोश जगाने वाला है। उन्होंने माखन लाल चतुर्वेदी की लिखी पुस्तक की अभिलाषा की पंक्तियां सुनाते हुए कहा कि सैनिक उसी पथ को चुनते हैं जो वीरता से जुड़ा होता है। मां भारती के लिए सर्वस्व समर्पण ही उनका एकमात्र लक्ष्य होता है।

राज्यपाल बागड़े शनिवार को आर्मी एरिया ऑडिटोरियम में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के 26 वें वार्षिक अधिवेशन के शुभारंभ समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारजनों के कल्याण, सम्मान और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि सैनिकों के परिजनों के लिए भी सबको मिलकर कार्य करना चाहिए। राज्यपाल ने पूर्व सैनिकों को सशक्त करने हेतु चलाई जा रहीं केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का अधिकाधिक प्रचार किए जाने पर भी जोर दिया। उन्होंने अखिल भारतीय पूर्व सैनिकों द्वारा सामाजिक सेवा, देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता तथा युवाओं को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करने जैसे क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका की सराहना भी की।

समारोह में देशभर से पूर्व सैनिक, रक्षा विशेषज्ञ एवं समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियो ने भाग लिया।मेजर जनरल अनुज माथुर ने परिषद के कार्यों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने इस दौरान परिषद की स्मारिका का भी लोकार्पण किया।

पर्यटकों की संख्या में हुई उल्लेखनीय वृद्धि, घरेलू पर्यटक 28 तथा विदेशी पर्यटक 22 प्रतिशत बढ़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास भी, विरासत भी के मूल मंत्र के साथ राज्य सरकार ने गत दो वर्षों में प्रदेश के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक गौरव को और समृद्ध करते हुए पर्यटन उद्योग को नई पहचान दी है। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया है कि राजस्थान में पर्यटन के लिए आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों को स्तरीय सुविधाओं के साथ-साथ सुरक्षित और अच्छा वातावरण मिले और वे अपने साथ सुखद अनुभव लेकर जाएँ। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य में पर्यटन के विकास के लिए किये जा रहे सतत प्रयासों का परिणाम है कि वर्ष 2024 में देशी पर्यटकों की संख्या में 28.50 प्रतिशत तथा विदेशी पर्यटकों की संख्या में 21.92 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। इसी प्रकार वर्ष 2025 में अगस्त माह तक, वर्ष 2024 की समान अवधि की तुलना में देशी एवं विदेशी पर्यटक यात्राओं में 11.71 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

प्रदेश में घूमने के लिए आने वाले मेहमानों को नए अनुभव प्रदान करने तथा हर उम्र के पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए पर्यटन के विभिन्न आयामों को विकसित किया जा रहा है। हैरिटेज, धार्मिक, रूरल, एडवेंचर तथा ईको टूरिज्म के विकास के लिए राज्य सरकार लगातार काम कर रही है। प्रदेश में पर्यटन स्थलों के विकास, पर्यटकों की सुविधा के विस्तार तथा ब्रांडिंग के लिए 5 हजार करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्य कराए जाएंगे। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा राजस्थान टूरिज्म इन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड कैपेसिटी बिल्डिंग फंड का गठन किया गया है। पर्यटकों में राजस्थान के प्रति बढ़ते आकर्षण की बानगी है कि वर्ष 2025 में अगस्त तक राज्य में 15 करोड़ से अधिक देशी पर्यटक तथा लगभग 12 लाख विदेशी पर्यटक राजस्थान आए हैं। वर्ष 2024 की देशी व विदेशी पर्यटक यात्राओं में देश में राज्य को 5 वीं रैंक प्राप्त हुई है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा पर्यटन क्षेत्र में निवेश और रोजगार सृजन को गति देने के लिए 04 दिसम्बर 2024 से राजस्थान पर्यटन इकाई नीति लागू की गई है। इससे प्रदेश में पर्यटन को उद्योग के रूप में विकसित करने की दिशा में तेजी आई है। पर्यटन क्षेत्र से जुड़े निवेशकों एवं उद्यमियों को लाभ मिलने से निजी क्षेत्र में नई पर्यटन इकाइयों की स्थापना को प्रोत्साहन मिल रहा है। साथ ही युवाओं के लिए रोजगार के नित नए अवसर सृजित हो रहे हैं।

योग और जल संरक्षण पर मंत्री रावत ने दिया विशेष संदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। वर्ल्ड हेल्थ एंड वेलनेस फेस्ट 2025 शनिवार सुबह होटल क्लार्क्स आमेर में शुरू हुआ। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने उद्घाटन समारोह में दीप प्रज्वलित कर फेस्ट का विधिवत शुभारंभ किया और जनसमूह को संबोधित किया। उद्घाटन अवसर पर मंत्री रावत ने कहा कि फेस्ट की शुरुआत योग साधना से हुई है, जो हमारी भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है। हमारे शास्त्रों में निरोगी काया को सबसे जरूरी माना गया है।

आज के समय में योग और ध्यान का महत्व और भी बढ़ गया है। रावत ने कहा कि वर्तमान में हर वर्ग, विशेषकर युवाओं का अधिकांश समय स्क्रीन पर व्यतीत हो रहा है, जिससे अनेक शारीरिक और मानसिक विकार उत्पन्न हो रहे हैं। ऐसे में वर्ल्ड हेल्थ एंड वेलनेस जैसे आयोजन लोगों को इन विकारों से दूर रखकर मानसिक शांति और संतुलित जीवन की ओर प्रेरित करने में अत्यंत सहायक सिद्ध होंगे।

जल संसाधन मंत्री ने कहा कि भारतीय युवा ऊर्जा आज अपने कौशल और प्रतिभा से विश्व पटल पर शीर्ष स्थान बना रही है। उन्होंने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा प्रदेशवासियों के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए जा रहे महत्वपूर्ण निर्णयों का भी उल्लेख किया। रावत ने जल और स्वास्थ्य के आपसी संबंध पर जोर देते हुए कहा कि हेल्थ और वेलनेस का सीधा संबंध जल से है। राज्य सरकार प्रदेश के अंतिम छोर तक पर्याप्त जल उपलब्ध कराने की दिशा में आगे बढ़ी हैं। पूर्वी राजस्थान के 17 जिलों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना के कार्यों की गति तेजी से बढ़ी है, जिससे भविष्य में जल उपलब्धता सुदृढ़ होगी। समारोह के दौरान रावत ने बेसिक लाइफ सपोर्ट के अंतर्गत डमी पर सीपीआर का प्रशिक्षण भी लिया और आमजन से ऐसे प्रशिक्षण लेने का आह्वान किया, ताकि आपातकालीन परिस्थितियों में जीवन रक्षा संभव हो सके।

इस अवसर पर संस्कृति युवा संस्था के संस्थापक पंडित सुरेश मिश्रा, मैनेजमेंट गुरु एन. रघुरामन, योगाचार्य ढाकाराम, फेस्ट के फाउंडर मुकेश मिश्रा सहित हेल्थ एवं वेलनेस क्षेत्र के अनेक विशेषज्ञ उपस्थित रहे। यह आयोजन इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इवेंट मैनेजमेंट एवं संस्कृति युवा संस्था के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। फेस्ट में देश-विदेश से आए एक्सपर्ट्स, हेल्थ इनोवेटर्स, फिटनेस लीडर्स और हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स मन, शरीर और आत्मा के संतुलन विषय पर लोगों को जागरूक और प्रेरित कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने लाभार्थियों को सौंपे योजनाओं के प्रमाण पत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को बांसवाड़ा जिले की तेजपुर ग्राम पंचायत में आयोजित ग्रामीण समस्या समाधान शिविर का अवलोकन किया और गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने शिविर में विभिन्न विभागों की स्टॉल्स का अवलोकन कर अधिकारियों एवं कार्मिकों के कार्यों को देखा। उन्होंने कार्मिकों से बातचीत कर शिविर में आमजन की समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया और प्राप्त उपलब्धियों की भी जानकारी ली। इस दौरान मुख्यमंत्री ने शिविर में उपस्थित ग्रामीणों से चर्चा कर राज्य सरकार की योजनाओं एवं कार्यक्रमों का फीडबैक लिया तथा उनकी समस्याओं के समाधान के बारे में विस्तृत बातचीत की।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आमजन की समस्या के समाधान के लिए हर स्तर पर योजनाबद्ध कार्य कर रही है। इसी कड़ी में प्रदेश में ग्रामीण एवं शहरी समस्या समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन शिविरों में लोगों के वर्षों से अटके हुए काम पूरे हो रहे हैं। ग्रामीण समस्या समाधान शिविरों में सहमति विभाजन, नामांतरण एवं रास्ते खुलवाने जैसे महत्वपूर्ण कार्य करवाए जा रहे हैं। उन्होंने दिव्यांगजनों को मोटराईज्ड ट्राईसाइकिल का वितरण किया साथ ही, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की विभिन्न योजनाओं के आवेदनकर्ताओं को लाभांवित किया।

गोवंश संरक्षण और आत्मनिर्भर गौशाला राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश में गोवंश संरक्षण, गौशालाओं के सुदृढ़ संचालन तथा गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने को लेकर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में शनिवार को सचिवालय में गौशाला संचालकों और पशुपालन तथा गोपालन विभाग के अधिकारियों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में शासन सचिव पशुपालन, गोपालन एवं मत्स्य डॉ. समित शर्मा भी उपस्थित थे। मुख्य सचिव ने गौशाला संचालकों का स्वागत करते हुए कहा कि गोवंश संरक्षण और आत्मनिर्भर गौशाला राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसलिए गोशालाओं को आत्मनिर्भर, पारदर्शी और सुव्यवस्थित ढंग से संचालित किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि गौशाला और गौवंश मुख्यमंत्री के प्रिय विषय हैं और इस संबंध में समय-समय पर उनका मार्गदर्शन मिलता रहता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश हैं कि गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ आयुर्वेद के साथ इनके जुड़ाव के लिए भी विशेष प्रयास किए जाएं। उन्होंने गौमूत्र और गोबर से बेहतर लाभ प्राप्त करने और सीएसआर के तहत अधिक से अधिक भामाशाहों को गौशाला से जोड़ने के लिए प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गौशालाओं के अनुदान की प्रक्रिया का सरलीकरण किया जाए। उन्होंने एक पोर्टल बनाने के भी निर्देश दिए जिस पर गौशाला के निरीक्षण की विस्तृत रिपोर्ट डाली जाए। उन्होंने मोबाइल वेटरिनरी यूनिट की गौशालाओं के लिए बेहतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

मुख्य सचिव ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि गोशालाओं के साथ सतत संवाद बनाए रखा जाए तथा उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान किया जाए ताकि प्रदेश में मुख्यमंत्री की मंशानुरूप गौवंश संरक्षण को और अधिक सशक्त बनाया जा सके। मुख्य सचिव ने गौशाला संचालकों से गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सुझाव मांगे और उनसे संवाद भी किया। उन्होंने लाभार्थियों के फीडबैक लेने के भी निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने गौशालाओं मे वित्तीय अनुशासन, रिकार्ड संधारण तथा सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

गुवाहाटी को 'प्रकृति' विषय पर केंद्रित भारत का पहला हवाई अड्डा मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को यहां लोकप्रिय गोपीनाथ बारदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नए टर्मिनल भवन का का उद्घाटन किया। यह ''देश का पहला नेचर-थीम वाला हवाई अड्डा है, जहां से हर साल करीब एक करोड़ 31 लाख यात्री आते-जाते हैं।

इस परियोजना में रखरखाव, मरम्मत और नवीनीकरण (एमआरओ) सुविधाओं के लिए विशेष रूप से 1,000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। इसकी लागत 5,000 करोड़ रुपए है।

इसका उद्देश्य हवाई अड्डे को पूर्वोत्तर के लिए एक प्रमुख विमानन केंद्र एवं दक्षिण पूर्व एशिया के लिए एक प्रमुख प्रवेश द्वार के रूप में विकसित करना है।

पुराने टर्मिनल से नए टर्मिनल में स्थानांतरण की प्रक्रिया फरवरी में शुरू होने वाली है, शुरुआत में घरेलू उड़ानें नए टर्मिनल से संचालित होंगी।

अधिकारियों ने बताया कि यह प्रक्रिया मार्च के अंत तक पूरी होने की उम्मीद है, जिसके बाद घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों उड़ानें नए टर्मिनल में स्थानांतरित की जाएंगी, जबकि मौजूदा टर्मिनल को 'कार्गो हब' (माल और वस्तुओं का केंद्र) में परिवर्तित कर दिया जाएगा।

उद्घाटन से पहले हवाई अड्डे के वरिष्ठ अधिकारियों ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''स्थानीय संस्कृति पर आधारित और एक आधुनिक संरचना के रूप में परिकल्पित नया टर्मिनल 1.4 लाख वर्ग मीटर के क्षेत्र में विस्तृत है और सहज तथा यात्री-केंद्रित अनुभव प्रदान करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी, स्थिरता और क्षेत्रीय पहचान का मिश्रण करता है।''

भारतीय वास्तुकारों द्वारा डिज़ाइन किया गया यह टर्मिनल असम की समृद्ध जैव विविधता और सांस्कृतिक विरासत से प्रेरित है और इसे 'देश का पहला हवाई अड्डा' कहा जा सकता है, जिसका निर्माण की विषयवस्तु प्रकृति पर आधारित है।

'द बैम्बू ऑर्किड्स' नाम के इस टर्मिनल का डिजाइन असम के प्रतिष्ठित 'कोपो फूल' (फॉक्सटेल ऑर्किड) और स्थानीय बांस की किस्मों (असम के भोलुका बांस और अरुणाचल प्रदेश के अपातानी बांस) से प्रेरित है, जो पूर्वोत्तर की पारिस्थितिक और सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाता है।

अधिकारियों ने बताया कि टर्मिनल की वास्तुकला क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को दर्शाती है, साथ ही आधुनिक तकनीक, स्थिरता और यात्रियों के आराम को भी एकीकृत करती है, जो भारत के समावेशी, भविष्योन्मुखी बुनियादी ढांचे के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

उन्होंने बताया कि बांस से प्रेरित आंतरिक सज्जा में लगभग 140 मीट्रिक टन स्थानीय रूप से प्राप्त पूर्वोत्तर बांस का उपयोग किया गया है, जो भारतीय हवाई अड्डों में टिकाऊ निर्माण के लिए एक नया मानक स्थापित करता है।

भाजपा सरकार पूर्वोत्तर में कांग्रेस की गलतियों को सुधार रही : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर उसके शासनकाल के दौरान असम और पूर्वोत्तर की ''उपेक्षा'' करने का आरोप लगाया तथा जोर देकर कहा कि भाजपा सरकार उन ''गलतियों'' को सुधार रही है जो कांग्रेस दशकों से इस क्षेत्र में करती आ रही थी। गुवाहाटी हवाई अड्डे के नए टर्मिनल का उद्घाटन करने के बाद एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि असम और पूर्वोत्तर का विकास कभी भी कांग्रेस के एजेंडे का हिस्सा नहीं था।

प्रधानमंत्री ने कहा, कांग्रेस ने उन घुसपैठियों को संरक्षण दिया जिन्होंने जंगलों और जमीनों पर कब्जा कर लिया, जिससे असम की सुरक्षा और पहचान को खतरा पैदा हो गया... भाजपा सरकार पूर्वोत्तर में दशकों तक कांग्रेस द्वारा की गई गलतियों को सुधार रही है। मोदी ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूचियों का एसआईआर इसलिए शुरू किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि घुसपैठियों को चुनाव प्रक्रिया से बाहर रखा जा सके, ''लेकिन 'देशद्रोही' उन्हें बचाने की कोशिश कर रहे हैं।'' केंद्र सरकार घुसपैठ रोकने के लिए सख्त कदम उठा रही है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा की ''डबल इंजन'' वाली सरकार के तहत असम में विकास उसी तरह ''लगातार जारी है'', जैसे शक्तिशाली ब्रह्मपुत्र नदी का प्रवाह। मोदी ने कहा, असम की धरती से मेरा लगाव मुझे प्रेरित करता है, इस क्षेत्र के विकास के लिए मुझे शक्ति प्रदान करता है। असम और पूरा पूर्वोत्तर क्षेत्र भारत के विकास का द्वार बन रहा है। देश के प्रत्येक राज्य, प्रत्येक क्षेत्र की विकसित भारत के मिशन में महत्वपूर्ण भूमिका है।''

हिंदू-मुस्लिम दंगे भड़काना चाहती हैं ममता : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी हिंदू और मुस्लिम समुदायों के बीच दंगे भड़काना चाहती हैं। भाजपा साथ ही बनर्जी पर अगले साल होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव में राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की हार को देखते हुए सांप्रदायिक राजनीति करने का आरोप भी लगाया। टीएमसी विधायक मदन मित्रा की भगवान राम के बारे में कथित टिप्पणी पर बनर्जी की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने दावा किया कि टीएमसी नेता उनके इशारों पर हिंदू देवी-देवताओं और आस्था के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणियां कर रहे हैं।

भाटिया ने भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''टीएमसी विधायक मदन मित्रा ने कहा कि प्रभु राम मुस्लिम हैं, हिंदू नहीं। उनके इस बयान से करोड़ों हिंदुओं की भावनाएं आहत हुईं, लेकिन ममता बनर्जी इस पर चुप हैं।'' भाजपा प्रवक्ता ने सवाल किया, ''क्या उन्होंने मदन मित्रा को अपनी पार्टी से निकाल दिया? क्या उनके खिलाफ कोई प्राथमिकी दर्ज हुई? उन्होंने आरोप लगाया, ''यह दिखाता है कि ममता बनर्जी कैसे सांप्रदायिक राजनीति कर रही हैं। वह हिंदू-मुस्लिम दंगे भड़काना चाहती हैं।'' भाटिया ने आरोप लगाया कि बनर्जी अपनी पार्टी के नेताओं को एक खास समुदाय को खुश करने के लिए ऐसे सांप्रदायिक बयान देने के निर्देश दे रही हैं, क्योंकि उन्हें एहसास हो गया है कि अगले साल राज्य विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी हारने वाली है। उन्होंने कहा, ''राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ शांति और अमन-चैन सुनिश्चित करना बनर्जी की जिम्मेदारी है, क्योंकि राज्य का गृह विभाग उन्हीं के तहत है। सांप्रदायिक बयान देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना भी उनकी जिम्मेदारी है।'' भाजपा प्रवक्ता ने यह भी दावा किया कि वोट के लिए टीएमसी प्रमुख की तुष्टीकरण की राजनीति उनके पिछले बयानों और कृत्यों से साफ जाहिर है। उन्होंने आरोप लगाया, ''जब 2019 में किसी ने उन्हें 'जय श्री राम' कहकर अभिवादन किया, तो वह गुस्से में अपनी कार से बाहर आईं और कहा, 'मैं तुम्हारी खाल उतार दूंगी'। हमने यह भी देखा कि कैसे उन्होंने 'महाकुंभ' को 'मृत्यु कुंभ' कहा।''

असम में सायरंग-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस ने सात हाथियों को कुचला, पांच डिब्बे पटरी से उतरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नगांव/गुवाहाटी/भाषा। असम के होजाई जिले में शुक्रवार देर रात हाथियों का एक झुंड सायरंग-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आ गया जिससे सात हाथियों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। वन विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि ट्रेन के पांच डिब्बे और इंजन भी पटरी से उतर गए। शुरू में सभी आठ हाथियों के मारे जाने की सूचना मिली थी, हालांकि बाद में कहा गया कि उनमें से एक घायल पाया गया। अधिकारियों ने बताया कि तड़के दो बजकर 17 मिनट पर हुई इस घटना में कोई यात्री घायल नहीं हुआ है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने वन विभाग को विस्तृत जांच करने और वन्यजीव गलियारों को सुरक्षित करने का निर्देश दिया है, जबकि कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने दुर्घटना के लिए ''वर्तमान सरकार के तहत अनियोजित और खराब तरीके से विनियमित विकास'' को जिम्मेदार ठहराया है। इस दुर्घटना के बाद कई ट्रेन को रद्द कर दिया गया है, कुछ ट्रेन को विभिन्न स्थानों पर रोका गया या उनकी सेवा को यात्रा गंतव्य से पहले ही समाप्त घोषित कर दिया गया।

नगांव के संभागीय वन अधिकारी सुहाश कदम ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि यह घटना चांगजुराई गांव में हुई और संभवत: क्षेत्र में भारी कोहरे के कारण यह हादसा हुआ। उन्होंने कहा, ''मृत सातों हाथियों का पोस्टमार्टम किया जा रहा है और घायल हाथी का इलाज स्थानीय पशु चिकित्सकों द्वारा किया जा रहा है। कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं।'' पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (एनएफआर) के मुख्य प्रवक्ता कपिंजल किशोर शर्मा ने बताया कि यह दुर्घटना लामडिंग मंडल के अंतर्गत जमुनामुख-कामपुर खंड में हुई। यह क्षेत्र गुवाहाटी से करीब 126 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

नकाब विवाद को देखकर 'निराश' हूं : आरिफ मोहम्मद खान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने शनिवार को कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा एक डॉक्टर का नकाब हटाए जाने के बाद हुए विवाद को देखकर उन्हें ''निराशा'' हुई है।

खान बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा करने वाली वीडियो क्लिप का जिक्र कर रहे थे। यह घटना सोमवार को पटना में मुख्यमंत्री सचिवालय में हुई थी जब आयुष डॉक्टर अपने नियुक्ति पत्र प्राप्त करने के लिए एकत्र हुए थे।

महिला जब अपना पत्र लेने के लिए आगे आई, तो कुमार ने उसका नकाब देखा और कहा, ''यह क्या है''। उन्होंने यह कहते हुए महिला का नकाब हटा दिया। खान ने पूछा, ''इस मामले में 'विवाद' शब्द सुनकर मुझे बहुत दुख होता है। क्या पिता और बेटी के बीच कोई विवाद हो सकता है?'' राज्यपाल ने पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा, ''आप लोगों ने इसका क्या मतलब निकाल लिया? यह आदमी छात्राओं को अपनी बेटियों की तरह मानता है।'' इस बीच, सरकारी तिब्बी कॉलेज एवं अस्पताल के प्राचार्य महफूजुर रहमान ने कहा, ''नुसरत के परिवार ने कहा है कि वे मीडिया कवरेज से बचना चाहते हैं, और महिला डॉक्टर इस बारे में पुनर्विचार करेगी कि उसे नौकरी स्वीकार करनी है या नहीं।'' हालांकि, शनिवार नियुक्ति पर आने की आखिरी तारीख है, लेकिन प्राचार्य ने कहा कि सरकार और विभाग इस ''विशेष मामले'' में तारीख बढ़ाने पर विचार करेंगे।

तृणमूल कांग्रेस का आरोप, प्रधानमंत्री मोदी ने मतुआ समुदाय को लेकर दिखाई उदासीनता

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल के ताहिरपुर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रैली में दिए गए भाषण से मतुआ समुदाय के प्रति उनकी उदासीनता झलकती है, जो एसआईआर के तहत मसौदा मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद नामों को हटाए जाने को लेकर अनिश्चितताओं का सामना कर रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस के प्रदेश महासचिव कुणाल घोष ने यह भी दावा किया कि प्रधानमंत्री ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्यों में बांग्ला भाषी लोगों के कथित उत्पीड़न के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा। घोष ने पत्रकारों से कहा, मोदी के भाषण में दूरदर्शिता और जिम्मेदारी का अभाव था। उन्होंने मतुआ समुदाय की चिंताओं पर ध्यान नहीं दिया। मतुआ दलित हिंदू शरणार्थी समुदाय है। धार्मिक उत्पीड़न के बाद बांग्लादेश से पलायन कर समुदाय के लोग यहां आए थे।

अखिलेश ने सेना में अहीर रेजिमेंट बनाने और सैन्य स्कूल खोलने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को भारतीय सेना में अहीर रेजिमेंट बनाने की अपनी पुरानी मांग को दोहराया और कहा कि यह समुदाय के सैनिकों की बहादुरी एवं बलिदान को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। यादव ने यहां कई पूर्व सैनिकों को सम्मानित करने के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि अहीर रेजिमेंट की मांग नई नहीं है और इसे पहले भी पार्टी के घोषणापत्र में शामिल किया गया था।

जिन पूर्व सैनिकों को इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया, उनमें 1962 के युद्ध में लड़ने वाले जवान भी शामिल थे। उन्होंने कहा, आज (शनिवार को) जब हम इन बहादुर सैनिकों का सम्मान कर रहे हैं, जिन्होंने देश और उसकी जमीन की रक्षा के लिए जान की परवाह किए बिना लड़ाई लड़ी, तो हम उनके सम्मान और रेजिमेंट के सम्मान के लिए सेना में अहीर रेजिमेंट की मांग को फिर से दोहराते हैं। अगर दूसरी रेजिमेंट बनाने की भी मांगें हैं, तो उन्हें भी आगे आना चाहिए। यादव ने कहा कि युद्ध में बहादुरी दिखाने वाले जवानों को सम्मानित करने का शनिवार का कार्यक्रम 10 दिन पहले तय किया लेकिन 'इंडिगो' (विमान कंपनी) संकट और संसद सत्र के कारण इसे टाल दिया गया था। उन्होंने भारत की आजादी और देश की रक्षा में योगदान देने वाले सैनिकों से मिलना व उन्हें सम्मानित करना अपना सौभाग्य बताते हुए कहा कि ऐतिहासिक लड़ाइयों में भारतीय सैनिकों द्वारा दिखाई गई बहादुरी पीढ़ियों को प्रेरित करती रहती है। यादव ने चीन के साथ 1962 के संघर्ष का जिक्र करते हुए कहा कि वृत्तचित्र और ऐतिहासिक रिकॉर्ड दिखाते हैं कि कैसे भारतीय सैनिकों ने रेजांग ला में देश की जमीन की रक्षा के लिए 'आखिरी गोली और आखिरी आदमी तक' लड़ाई लड़ी।

पति के धोखे से नाराज महिला ने प्रसव के बाद बच्चे को अपनाने से इनकार किया

गोरखपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में एक अस्पताल में पति के विश्वासघात से नाराज एक महिला ने अपने नवजात बेटे को अपनाने से इनकार कर दिया और उसे स्तनपान कराने से भी मना कर दिया, जिससे अस्पताल के कर्मचारी असमंजस में पड़ गए। अधिकारियों ने बताया कि काफी समझाने के बाद महिला बच्चे को रखने के लिए राजी हुई। महिला ने कहा कि वह बच्चे को खुद पालेगी और उसे उसके पिता का नाम नहीं देगी।

दिल्ली में घरेलू सहायिका के रूप में काम करने वाली महिला ने बताया कि ट्रेन में सफर के दौरान उसे करीब चार घंटे तक प्रसव पीड़ा सहनी पड़ी, जिसके बाद राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) की मदद से उसे जिला महिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। महिला ने आरोप लगाया कि उसके पति ने गर्भावस्था के दौरान उसे छोड़ दिया और बाद में दूसरी महिला के साथ भाग गया। महिला ने कहा, जब मुझे उसकी (पति की) सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब उसने मुझे छोड़ दिया। मैं अकेली थी, दर्द में थी और अजनबियों की मदद से ही जिंदा रह पाई। गुस्से व धोखे की भावना से व्याकुल होकर महिला ने शुरू में अपने नवजात शिशु को लेने से इनकार कर दिया और उसे स्तनपान कराने से भी मना कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि हालांकि, अस्पताल के कर्मचारियों द्वारा समझाने-बुझाने के बाद महिला बच्चे को अपने पास रखने के लिए राजी हो गई। जिला अस्पताल के प्रभारी अधीक्षक जय कुमार ने बताया, शुरू में महिला को समझाना बहुत मुश्किल था। अब वह बच्चे को अपने पास रखने के लिए राजी हो गई है। बच्चे की सेहत में सुधार होते ही मां और बच्चे दोनों को छुट्टी दे दी जाएगी।

गिल अभी रन नहीं बना पा रहे है लेकिन वह बेहतरीन खिलाड़ी है : अगरकर

मुंबई/भाषा। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने शनिवार को कहा कि हालिया मैचों में शुभमन गिल के रन नहीं बना पाने और संयोजन की मजबूरियों के कारण उन्हें टी20 विश्व कप की टीम में शामिल नहीं किया गया। भारतीय टी20 टीम के हाल में उपकप्तान नियुक्त किए गए गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में प्रभावी प्रदर्शन नहीं कर सके। उन्होंने इस श्रृंखला में चार, शून्य और 28 रन बनाए जबकि चोट के कारण पांचवां मैच नहीं खेल पाए।

अगरकर ने टीम की घोषणा के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' हमें पता है कि वह कितने शानदार खिलाड़ी हैं, लेकिन इस समय शायद उनके बल्ले से उतने रन नहीं निकल पा रहे हैं।'' उन्होंने कहा, '' वह बदकिस्मती से पिछले विश्व कप से भी बाहर रह गए थे क्योंकि हमने अलग संयोजन के साथ खेलने का फैसला किया था। टीम चयन में संयोजन का ध्यान रखना होता है। हम ऐसे विकेटकीपर चाहते थे जो शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी कर सके।'' अगरकर ने कहा, '' जब आप 15 खिलाड़ियों की टीम चुनते हैं तो किसी न किसी को बाहर रहना पड़ता है और इस बार दुर्भाग्य से गिल को बाहर होना पड़ा।'' अगरकर ने जोर देकर कहा कि टीम प्रबंधन शीर्ष क्रम में एक अतिरिक्त विकेटकीपर रखना चाहता था जिसके चलते एक बल्लेबाज को बाहर करना पड़ा। इशान किशन ने हाल में संपन्न सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया है और उन्हें जितेश शर्मा पर प्राथमिकता दी गई। उन्होंने किशन के चयन पर कहा, ''वह सीमित ओवर के क्रिकेट में शीर्ष क्रम पर बल्लेबाजी करते हैं। वह अच्छी फॉर्म में हैं। उनके नाम एक दिवसीय क्रिकेट में दोहरा शतक है। वह भारतीय टीम में इसलिए नहीं था क्योंकि उनसे पहले से ऋषभ और ध्रुव जुरेल थे। वे दोनों काफी अच्छे खिलाड़ी हैं। ऐसे में इसका किसी और बात से कोई लेना-देना नहीं है। '' भारत के इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, '' इशान शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करता है, संजू भी शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करता है और हम इस तरह का ही संयोजन देख रहे थे। अभिषेक शर्मा भी टीम में है ऐसे में अब एक सटीक विकल्प को चाहते हैं। टूर्नामेंट में अगर कोई चोटिल होता है या फॉर्म में नहीं रहता है तो हमारे पास एक अच्छा विकल्प होगा।''

'इशान का चयन साबित करता है कि चयन का आधार घरेलू प्रदर्शन होना चाहिए, सिर्फ आईपीएल नहीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने शनिवार को आगामी टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में शानदार फॉर्म में चल रहे इशान किशन के चयन का समर्थन किया जबकि पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने शुभमन गिल को बाहर करने जैसे कड़े फैसले के लिए अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति को पूरे अंक दिए।

राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने विकेटकीपर-बल्लेबाज किशन और रिंकू सिंह की वापसी कराई जबकि टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल को टी20 प्रारूप में खराब फॉर्म के चलते बाहर कर दिया गया। फिटनेस और उपलब्धता से जुड़ी समस्याओं के कारण साल भर टीम से बाहर रहे किशन ने हालिया सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया और बेहतरीन शतक के साथ झारखंड को खिताब दिलाया। 'जियोस्टार' विशेषज्ञ गावस्कर ने कहा, ''जब कोई खिलाड़ी प्रदर्शन करता है तो उसे चुनना चाहिए। इशान किशन पहले भी टीम में रहे हैं और उन्होंने साबित किया है कि वह यह कर सकते हैं। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उनकी मौजूदा फॉर्म दिखाती है कि चयन का आधार घरेलू क्रिकेट होना चाहिए, सिर्फ आईपीएल नहीं।''

उन्होंने कहा, ''मैं उनके लिए बहुत खुश हूं। वह कुछ वर्षों तक टीम से बाहर थे, लेकिन अपनी राज्य की टीम झारखंड को खिताब दिलाकर उन्होंने शानदार वापसी की। '' गावस्कर ने गिल को बाहर किए जाने को हैरान करने वाला बताया लेकिन कहा कि शायद फॉर्म और लय की कमी उनके खिलाफ गई।

घरेलू क्रिकेट में दमखम और टीम प्रबंधन की प्राथमिकताओं में बदलाव से किशन की भारतीय टीम वापसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज इशान किशन ने मानसिक स्वास्थ्य का हवाला देते हुए ब्रेक लिया था जिसके चलते उन्हें भारतीय टीम से अपनी जगह गंवानी पड़ी थी और इसके बार भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने उन्हें अपने केंद्रीय अनुबंध से भी बाहर कर दिया।

भारत की एकदिवसीय विश्व कप टीम का हिस्सा रहे किशन ने 2023 के आखिर में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर मानसिक थकान का हवाला देते हुए ब्रेक लेने का फैसला किया था। इसके बाद वह रणजी ट्रॉफी (2023-24) में भी नहीं खेले। इसके चलते किशन को श्रेयस अय्यर के साथ बीसीसीआई की केंद्रीय अनुबंध सूची से बाहर कर दिया गया। इस फैसले के बाद यह बहस तेज हो गई कि क्या कुछ शीर्ष भारतीय खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट की बजाय आईपीएल को प्राथमिकता दे रहे हैं। इस कदम को बोर्ड द्वारा अन्य खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट को प्राथमिकता देने का संदेश देने के तौर पर भी देखा गया लेकिन किशन और अय्यर के मामले में इसे काफी सख्त फैसला माना गया।

दोनों खिलाड़ियों ने 2024-25 सत्र से टीम में वापसी करनी शुरू कर दी थी। अय्यर को राष्ट्रीय टीम में वापसी करने में ज्यादा समय नहीं लगा लेकिन किशन को वापसी के लिए घरेलू क्रिकेट की कड़ी मेहनत से गुजरना पड़ा। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने घरेलू क्रिकेट की कठिन राह तय करने के अलावा काउंटी चैंपियनशिप (इंग्लैंड में प्रथम श्रेणी मैच) में भी खुद को साबित किया। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए अपने पहले आईपीएल मैच में ही उन्होंने शतक जड़ खुद को साबित किया और फिर कमाल की बल्लेबाजी करते हुए झारखंड को सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी का पहला खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई। किशन ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर अगले साल होने वाले पुरुष टी20 विश्व कप के लिए राष्ट्रीय टीम में वापसी का मजबूत दावा पेश कर दिया था लेकिन उनकी वापसी भारतीय टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं की प्राथमिकताओं में आए बदलाव के साथ भी जुड़ी हुई है। शुभमन गिल को कुछ समय पहले ही टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में उपकप्तान बनाकर वापस लाया गया था और इसे कप्तान सूर्यकुमार यादव के लिए एक तरह की चेतावनी के तौर पर देखा गया। छोटे प्रारूप की तेजी से बदलते क्रिकेट में भारतीय टीम ने गिल और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी को तोड़ने के साथ पारी का आगाज करने के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज को तरजीह देने का रुख अपनाया। किशन ने सैयद मुश्ताक टी20 ट्रॉफी में 517 रन बनाये जिसमें फाइनल में हरियाणा के खिलाफ खेली गई शतकीय पारी भी शामिल है। इस दमदार प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम में उनकी वापसी दूसरे विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर हुई है।

सुविचार

मदद सबकी करो मगर आशा किसी से मत रखो, क्योंकि सेवा का सही मूल्य ईश्वर ही दे सकते हैं।

ट्वीट

भारत के पहले ग्लोबल साइकलिंग इवेंट पुणे ग्रैंड टूर के ट्रॉफी टूर के अंतर्गत आज जयपुर में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होकर आयोजकों प्रतिभागियों और खेल प्रेमियों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

-दिया कुमारी

'आज मालपुरा (टोंक) में केकड़ी विधायक श्री शत्रुघ्न गौतम जी के निवास पर उनके पूज्य पिताजी को श्रद्धांजलि अर्पित की। दुःख की इस घड़ी में शोकाकुल परिवारजनों से भेंट कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

-भजनलाल शर्मा

कहानी

बारिश

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

सुबह-सुबह तैयार होकर मैं कॉलेज पहुँचा था, बालों में जेल लगाकर, जैसे किसी विज्ञापन में काम मिल गया हो। सच कहूँ तो उस दिन मैंने पिछले तीन सालों की सबसे ज़्यादा मेहनत अपने गेट-अप पर की थी, क्योंकि दिल में कहीं एक अजीब सा अलार्म बज रहा था कि आज कुछ होने वाला है'। दोस्तों ने देखा तो चुटकी ली भाई, आज कोई खास मिलने वाला है क्या? या तूने स्कॉलरशिप के बजाय 'मोस्ट हैंडसम' का अवार्ड जीतने का इरादा कर लिया है? मैंने हँसकर टाल दिया, अपनी गर्दन के पीछे की सिहरन को नज़रअंदाज़ करते हुए, पर दिल के किसी कोने में सच्चाई एक ढोल की तरह बज रही थी।

क्योंकि उसी दिन, कॉलेज के वार्षिक उत्सव की भागमभाग में, मैंने पहली बार किसी अजनबी को देखकर अपने दिल की धड़कनें बदलते हुए महसूस की थीं उसका नाम था रिया।

कॉलेज का वार्षिक उत्सव था, पूरा परिसर रोशनी और संगीत से गूंज रहा था। रंग-बिरंगी झालरों की चमक, छात्रों का शोर और मंच पर गिटार की धीमी, रूमानी धुन... सब कुछ एक बड़े कैनवस पर उकेरी गई पेंटिंग जैसा था। मंच पर गायक अपनी आवाज़ से माहौल गरमा रहे थे, और बीच भीड़ के, मैंने उसे देखा।

सफ़ेद सलवार-कमीज़ में, जिसके किनारे पर हल्की नीली कढ़ाई थी, वह बिल्कुल अलग खड़ी थी। उसके बाल हवा के एक झोंके से लहराए और उसकी आँखें ऐसी कि जैसे किसी झील में सूरज की परछाईं उतर आई हो, जिसमें एक अजीब सी चमक थी जो मेरी ओर नहीं थी, फिर भी मुझे पूरी तरह अपनी ओर खींच रही थी। मैं वहीं ठिठक गया। मेरे दोस्त, जिन्होंने मुझे एक मिनट पहले तेज़ी से आगे बढ़ने के लिए उकसाया था, अब खुद मुझे टोका चल न, अंदर बैठते हैं, वो रहा खाने का स्टॉल। लेकिन मेरे कदमों ने जैसे ज़मीन से दोस्ती कर ली थी, मैं बस एक मूर्ति की तरह खड़ा रहा, मेरी सारी इंद्रियाँ उसी एक जगह पर टिक गई थीं।

रिया की मुस्कान में कुछ ऐसा था कि वही पल मेरी ज़िंदगी का 'फ्रीज़ फ्रेम' बन गया, जिस पर मैं बार-बार वापस जाना चाहता था। उस रात जब मैं घर लौटा, तो दर्पण में खुद को देखकर अजीब-सा मुस्कुराया। मैंने खुद से धीमी आवाज़ में पूछा, कहीं मुझे प्यार-व्यार तो नहीं हो गया? और तुरंत अपनी मूर्खता पर हँस भी पड़ा। पर हक़ीक़त ये थी कि जो शुरुआत किसी मज़ाक जैसी लगी, वही मेरे जीवन का सबसे सच्चा और गहरा एहसास बन गई थी।

अगले हफ़्तों में, मैंने लाइब्रेरी को अपना नया ठिकाना बना लिया, जबकि दोस्तों को लगा कि मैं अचानक बुद्धिजीवी बन गया हूँ। मेरे एक दोस्त ने मज़ाक में कहा भी, अरे, लगता है इसके अंदर का अरस्तू जाग गया। उन्हें क्या पता था कि मेरा असली विषय इतिहास नहीं, बल्कि रिया की आँखें थीं। असल में, वहाँ रिया रोज़ आती थी। मैं किताबों के पन्ने उलटता-पलटता, 'इंटरनेशनल रिलेशन्स' या 'फिज़िक्स' की सबसे मोटी किताब लेकर बैठता, पर नज़रें हर पन्ने से भागकर बस उसकी ओर लौट आतीं।

कभी-कभी हमारी नज़रें टकरातीं, और मैं भीतर से सिहर उठता एक तरह की मीठी घबराहट जो शरीर में बिजली की तरह दौड़ जाती थी। एक दिन उसने 'हिस्ट्री ऑफ इंडियन लिटरेचर' माँगी, जो संयोग से मेरे पास थी। मैंने उसे देते हुए, हीरो बनने के अंदाज़ में, कहा यह बहुत बोरिंग है, मैंने दो पन्ने से ज़्यादा नहीं पढ़े। वो हँसी, और उसकी उस हंसी में एक छोटी-सी डिंपल गाल पर आई। उसने कहा, अगर इतिहास बोरिंग लगे, तो शायद अध्यापक गलत हो। या फिर पढ़ने वाला। उसकी वह बात सीधी दिल में उतर गई, उसने मेरी सारी 'हीरोपंती' एक पल में खत्म कर दी। उस दिन से मैंने तय कर लिया, इस लड़की से कभी बहस नहीं करनी है; हार पक्की है।

धीरे-धीरे हमारी मुलाकातें बढ़ने लगीं। लाइब्रेरी की शांति, कैंटीन का शोर, और कॉलेज फेस्टिवल की तैयारियों में हमारे नाम एक साथ जुड़ने लगे। हम घंटों बेकार की बातों पर हँसते, और कभी-कभी बहुत गहरी बातें भी करते, जैसे कि जीवन में हम सच में क्या चाहते हैं।

एक शाम, जब बारिश की हल्की फुहारें हो रही थीं, हम कैंटीन के एकदम किनारे वाली मेज पर साथ बैठे थे। खिड़की से आती बूंदें मेरी खुली किताबों पर पड़ने लगीं। रिया ने झट से अपनी नोटबुक छोड़कर मेरी बिखरी हुई किताबों को समेटा, और उस पल हमारे हाथ एक-दूसरे को छू गए। वो स्पर्श बस एक पल का था, पर मेरे शरीर में एक ऐसी बिजली दौड़ गई कि मुझे लगा मेरा चेहरा लाल हो गया है।

थोड़ा संभल जाया करो, उसने धीमे से कहा, उसकी आवाज़ में एक हल्की-सी चिंता थी। मैंने अपनी घबराहट छिपाने के लिए हँसकर जवाब दिया, संभलना तो अब तुमसे मिलकर सीखना पड़ेगा, क्योंकि जब से तुम्हें देखा है, मैं तो बस फिसलता जा रहा हूँ। वो मुस्कुराई, पर उस मुस्कान में एक अजीब-सी मासूमियत और एक अनकही सहमति थी, जिसे भूलना असंभव था।

धीरे-धीरे हमारी दोस्ती एक अनकहे, नाजुक रिश्ते में ढल रही थी। कभी वो मेरी अजीबोगरीब कविताएं पढ़ती और सिर हिलाती, तो कभी मैं उसकी नोटबुक के आख़िरी पन्ने पर अपने छोटे-छोटे, बेतरतीब संदेश लिख देता। हमने कभी आई लव यू' नहीं कहा, मगर हर नज़र, हर खामोशी, हर साझा किया गया पल, सब कुछ कह रहा था कि यह महज़ दोस्ती नहीं है।

फिर एक दिन आया कॉलेज का आख़िरी दिन। चारों ओर हँसी थी, दोस्तों के गले लगने की आवाज़ें, भविष्य की योजनाओं पर चर्चा, कैमरों की क्लिक, और मेरे दिल के भीतर एक अदृश्य, ठंडी बेचैनी। मैं रिया को देख रहा था, और लग रहा था जैसे वक़्त अचानक मुझे धोखा दे देगा, जैसे यह दिन खत्म होते ही हम दो अलग-अलग कहानियों के पात्र बन जाएंगे।

मैंने हिम्मत जुटाई, जो कि मेरे शरीर में बची आख़िरी चीज़ थी। रिया, मुझे तुमसे कुछ बहुत ज़रूरी कहना है। वो चुप रही, बस मुस्कराई, उसकी आँखें चमक रही थीं, मानो वह जानती थी कि मैं क्या कहने वाला हूँ, और शायद इंतज़ार कर रही हो। मैंने लड़खड़ाते हुए गला साफ किया, रिया मैं तुम्हें बहुत प्यार करता हूँ। उसने एक पल मेरी आँखों में देखा, और उसकी मुस्कान और गहरी हो गई। फिर वह बोली मुझे भी तुमसे।

उस पल मेरी सारी दुनिया रोशनी से भर गई, जैसे किसी जादूगर ने अचानक मेरे जीवन में सारे रंग बिखेर दिए हों। पर किस्मत की कहानी का पेज लेआउट किसी कवि के मन से नहीं, किसी रहस्यवादी लेखक से लिखी जाती है, जो हमेशा एक अप्रत्याशित मोड़ के लिए तैयार रहता है।

कॉलेज खत्म हुआ। हम अलग शहरों में नौकरी के लिए चले गए वो दिल्ली, मैं पुणे। शुरू में रोज़ बात होती थी, लंबी कॉल्स, हँसी-मज़ाक, रात-रात भर भविष्य की योजनाएँ, एक-दूसरे को मिलने की कसमें। पर ज़िंदगी की रफ्तार तेज़ निकल पड़ी, जैसे स्टेशन पर ट्रेन छूट रही हो और हम दोनों अलग-अलग डिब्बों में चढ़ गए हों। रिया की नौकरी बहुत मुश्किल थी, जिसमें उसे लगातार यात्रा करनी पड़ती थी; मेरे ऑफिस के घंटे बढ़ते गए। धीरे-धीरे, हमारे बीच फ़ोन की घंटी बजने का अंतराल बढ़ता गया। हर गुज़रे दिन के साथ, हमारी बातों में खामोशियों का एक असहनीय अंतराल बढ़ता गया।

एक दिन, एक बहुत लंबी खामोशी के बाद, उसने फ़ोन पर कहा शायद हमें थोड़ा वक्त चाहिए, चीज़ों को समझने के लिए। मैंने हँसने की कोशिश की, पर अंदर सब कुछ एक शीशे की तरह टूट रहा था। मैंने बस इतना कहा, ठीक है। वक्त बढ़ता गया, पर हमारे बीच का फासला भी उसी अनुपात में बढ़ता गया।

फिर अचानक एक सुबह, मेरे ऑफिस के मीटिंग के बीच, उसकी माँ का फ़ोन आया। उनकी आवाज़ काँप रही थी, शब्द गले में अटक रहे थे रिया को दिल का दौरा पड़ा है। उस पल लगा जैसे किसी ने मेरे शरीर से मेरी साँस और मेरी आत्मा दोनों चुरा ली हों। मैं भागा, अगले प्लेन से उसी दिन दिल्ली पहुँचा। लेकिन बहुत देर हो चुकी थी। वह जा चुकी थी।

उसकी डायरी मेरे हाथ में थी, जिसे उसकी माँ ने मुझे दिया। आख़िरी पन्ने पर, उसकी जानी-पहचानी, सुंदर लिखावट में एक वाक्य लिखा था वो बारिश अब भी मेरी खिड़की पर आती है, पर तुम्हारे बिना उसकी खुशबू अधूरी लगती है। मैंने तुम्हें वो 'वक्त' माँगा था, पर शायद मैं चाहती थी कि तुम लड़ो... और मुझे रोक लो।

उस दिन दिल्ली में मूसलाधार बारिश हो रही थी, ठीक वैसे ही जैसे पहली बार जब हमने कैंटीन में बात की थी। उसकी यादों की नमी आज भी मेरे कमरे की हवा में घुली रहती है। मैं अब भी उसकी वही मुस्कान याद करता हूँ वो छोटी-सी डिंपल वाली। फ़र्क बस इतना है, तब वो मेरे सामने जीवंत थी, अब केवल मेरी स्मृतियों में बसी हुई थी ।

हर साल जब पहली बारिश होती है, मैं अपनी खिड़की खोलता हूँ, और वही मीठा-कसैला एहसास लौट आता है कि शायद कहीं, किसी और आसमान के नीचे, रिया फिर मुस्कुरा रही होगी और अपने अधूरे अध्यापक के बारे में सोचकर हँस रही होगी।

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

छत्रछाया

प्रातः भ्रमण के बाद पार्क में कुछ देर व्यायाम करने के लिए बैठा। व्यायाम के एक चरण में दृष्टि आकाश की ओर उठाई। जिन पेड़ों के तनों के पास बैठकर व्यायाम करता हूँ, उनकी ऊँचाई देखकर आँखें फटी की फटी रह गईं। लगभग 70 से 80 फीट ऊँचे, विशाल पेड़ एवम उनकी घनी छाया। हल्की-सी ठंड और शांत वातावरण, विचार के लिए पोषक बने। सोचा, माता-पिता भी पेड़ की तरह ही होते हैं न! हम उन्हें उतना ही देख-समझ पाते हैं जितना पेड़ के तने को। तना प्रायः हमें ठूँठ-सा ही लगता है। अनुभूत होती इस छाया को समझने के लिए आँखें फैलाकर ऊँचे, बहुत ऊँचे देखना होता है। हमें छत्रछाया देने के लिए निरंतर सूरज की ओर बढ़ते और धूप को ललकारते पत्तों का अखण्ड संघर्ष समझना होता है। दुर्भाग्य यह कि अधिकांश मामलों में छाया समाप्त हो जाने पर ही समझ आता है, माँ-बाप का साया सिर पर होने का महत्व ! ...

अँग्रेज़ी की एक लघुकथा इसी सार्वकालिक सार्वभौम दर्शन का शब्दांकन है। छह वर्ष का लड़का सामान्यतः कहता है, 'माई फादर इज़ ग्रेट।' बारह वर्ष की आयु में आते-आते उसे अपने पिता के स्वभाव में ख़ामियाँ दिखने लगती हैं। उसे लगता है कि उसके पिता का व्यवहार विचित्र है। कभी बेटे की आवश्यकताएँ पूरी करता है, कभी नहीं। किशोर अवस्था में उसे अपने पिता में एक गुस्सैल पुरुष दिखाई देने लगता है। युवा होने पर सोचता है कि मैं अपने बच्चों को दुनिया से अलग, कुछ हटकर-सी परवरिश दूँगा।...फिर उसकी शादी होती है। जीवन को देखने की दृष्टि बदलने लगती है। वह पिता बनता है। पिता होने के बाद अपने पिता का दृष्टिकोण उसे समझ आने लगता है। दस-बारह साल के बच्चे की हर मांग पूरी करते हुए भी कुछ छूट ही जाती हैं। यह विचार भी होता है कि यदि जो मांगा, उपलब्ध करा दिया गया तो बच्चा ज़िद्दी और खर्चीले स्वभाव का हो जायेगा। बढ़ते खर्च के साथ वह विचार करने लगता है कि उसके पिता सीमित कमाई में सारे भाई-बहनों की पढ़ाई का खर्च कैसे उठाते थे! उधर उसका बेटा/बेटी भी उसे लगभग उसी तरह देखते-समझते हैं, जैसे उसने अपने पिता को देखा था। आगे चलकर युवा बेटे से अनेक बार अवांछित टकराव होता है। फिर बेटे की शादी हो जाती है। ...चक्र पूरा होते-होते बचपन का वाक्य, काल के परिवर्तन के साथ,जिह्वा पर लौटता है, वह बुदबुदा उठता है, 'माई फादर वॉज़ ग्रेट।'

अनुभव हुआ, हम इतने बौने हैं कि पेड़ हों या माता-पिता, लंबे समय तक गरदन उठाकर उनकी ऊँचाई निहार भी नहीं सकते, गरदन दुखने लगती है। गरदन दुखना अर्थात अनुभव ग्रहण करना। यह ऊँचाई इतने अधिक अनुभव की मांग करती है कि 'इज़' के 'वॉज़' होने पर ही दिखाई देती है।

...ईश्वर सबके सिर पर यह ऊँचाई और छत्रछाया लम्बे समय तक बनाये रखें।

आखिर में यह भी नहीं रहेगा

एक साधु देश में यात्रा के लिए पैदल निकला हुआ था। एक बार रात हो जाने पर वह एक गाँव में आनंद नाम के व्यक्ति के दरवाजे पर रुका। आनंद ने साधू की खूब सेवा की। दूसरे दिन आनंद ने बहुत सारे उपहार देकर साधू को विदा किया। साधू ने आनंद के लिए प्रार्थना की भगवान करे तू दिनों दिन बढ़ता ही रहे। साधू की बात सुनकर आनंद हँस पड़ा और बोला अरे, महात्मा जी! जो है यह भी नहीं रहने वाला। साधू आनंद की ओर देखता रह गया और वहाँ से चला गया।

दो वर्ष बाद साधू फिर आनंद के घर गया और देखा कि सारा वैभव समाप्त हो गया है। पता चला कि आनंद अब बगल के गाँव में एक जमींदार के यहाँ नौकरी करता है। साधू आनंद से मिलने गया।

आनंद ने अभाव में भी साधू का स्वागत किया। झोंपड़ी में फटी चटाई पर बिठाया। खाने के लिए सूखी रोटी दी। दूसरे दिन जाते समय साधू की आँखों में आँसू थे। साधू कहने लगा हे भगवान ! ये तूने क्या किया?

आनंद पुनः हँस पड़ा और बोला महाराज आप क्यों दुःखी हो रहे है? महापुरुषों ने कहा है कि भगवान इन्सान को जिस हाल में रखे, इन्सान को उसका धन्यवाद करके खुश रहना चाहिए। समय सदा बदलता रहता है और सुनो! यह भी नहीं रहने वाला। साधू मन ही मन सोचने लगा मैं तो केवल भेष से साधू हूँ। सच्चा साधू तो तू ही है, आनंद। कुछ वर्ष बाद साधू फिर यात्रा पर निकला और आनंद से मिला तो देखकर हैरान रह गया कि आनंद तो अब जमींदारों का जमींदार बन गया है। मालूम हुआ कि जिस जमींदार के यहाँ आनंद नौकरी करता था वह सन्तान विहीन था, मरते समय अपनी सारी जायदाद आनंद को दे गया। साधू ने आनंद से कहा अच्छा हुआ, वो जमाना गुजर गया। भगवान करे अब तू ऐसा ही बना रहे। यह सुनकर आनंद फिर हँस पड़ा और कहने लगा महाराज! अभी भी आपकी नादानी बनी हुई है। साधू ने पूछा क्या यह भी नहीं रहने वाला?आनंद उत्तर दिया हाँ! या तो यह चला जाएगा या फिर इसको अपना मानने वाला ही चला जाएगा। कुछ भी रहने वाला नहीं है और अगर शाश्वत कुछ है तो वह है परमात्मा और उस परमात्मा की वंश आत्मा। आनंद की बात को साधू ने गौर से सुना और चला गया। साधू कई साल बाद फिर लौटता है तो देखता है कि आनंद का महल तो है किन्तू कबूतर उसमें गुटरगूं कर रहे हैं, और आनंद का देहांत हो गया है। बेटियाँ अपने-अपने घर चली गयीं, बूढ़ी पत्नी कोने में पड़ी है। साधू कहता है अरे इन्सान! तू किस बात का अभिमान करता है? क्यों इतराता है? यहाँ कुछ भी टिकने वाला नहीं है, दुःख या सुख कुछ भी सदा नहीं रहता। तू सोचता है पड़ोसी मुसीबत में है और मैं मौज में हूँ। लेकिन सुन, न मौज रहेगी और न ही मुसीबत। सदा तो उसको जानने वाला ही रहेगा। सच्चे इन्सान वे हैं, जो हर हाल में खुश रहते हैं। मिल गया माल तो उस माल में खुश रहते हैं, और हो गये बेहाल तो उस हाल में खुश रहते हैं। साधू कहने लगा धन्य है आनंद! तेरा सत्संग, और धन्य हैं तुम्हारे सतगुरु! मैं तो झूठा साधू हूँ, असली फकीरी तो तेरी जिन्दगी है। अब मैं तेरी तस्वीर देखना चाहता हूँ, कुछ फूल चढ़ाकर दुआ तो मांग लूं। साधू दूसरे कमरे में जाता है तो देखता है कि आनंद ने अपनी तस्वीर पर लिखवा रखा है आखिर में यह भी नहीं रहेगा।

बोध कथा

नागकन्या

बहुत पहले भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में एक गांव था मिसमा। वहां एक अनाथ मछुआरा रहता था ताराओन । एक दिन वह मछली पकड़ने गया । उस दिन मछली के स्थान पर एक नाग उसके जाल में फंस गया । दरअसल, वह नाग, नागलोक का राजा था । अपने पिता को जाल में फंसा देखकर नागकन्या घबराई। उसने सुन्दर स्त्री का रूप धारण कर लिया । वह ताराओन के पास पहुंचकर बोली-यदि तुम मेरे पिताजी को छोड़ दोगे तो मैं तुमसे विवाह कर लूंगी । युवक मान गया और उसने नाग को छोड़ दिया। नागकन्या ने उससे विवाह कर लिया।

ताराओन और नागकन्या का विवाह गांव वालों को नहीं भाया । उन्होंने विवाह की खबर राजा को दे दी। राजा ने ताराओन को बुलाकर कहा-तुमने हमारी परम्पराओं को तोड़ा है, तुम्हें दंड मिलेगा । कल सुबह तुम्हारे और मेरे मुर्गे में लड़ाई होगी, जो हारेगा, उसे गांव छोड़कर जाना होगा। युवक डर गया। उसने घर आकर सारी बातें पत्नी को बताई । नागकन्या बोली-इसमें इतना डरने की क्या बात है ? मैं अभी नागलोक से एक बलवान मुर्गा ले आती हूं। यह कहकर वह नाग लोक चली गई। कुछ देर बाद वह मुर्गा लेकर आ गई ।

दूसरे दिन राजा और युवक के मुर्गे आपस में भिड़ गए । नागलोक का मुर्गा अधिक बलवान था इसलिए राजा का मुर्गा हार गया, परन्तु वह बोला, ताराओन ! इससे फैसला नहीं हो पाया है। अतः कल सुबह जो टोकरी नदी को उलटी दिशा में बहा देगा, वही विजयी होगा। ताराओन के लिए लोहित नदी के बहाव को उलटी दिशा में मोड़ना असंभव था। उसने यह बात नागकन्या को बताई। उसने पति को ढांढस बंधाया-डरो नहीं ! मेरे पिताजी तुम्हारी मदद करेंगे। वह अपने पिताजी के पास गई । नागकन्या ने अपने पति की परेशानी बताई। पिता ने उसे सुंदर टोकरी दी। कहा-टोकरी को नदी में डालते ही, धारा उलटी दिशा में बहने लगेगी।' नागकन्या अपने घर पहुँची। उसने ताराओन को सारी बातें बता दीं ।

ताराओन ने टोकरी नदी में डुबो दी। इस पर तुरन्त नदी का बहाव उलटकर राजा के महल तक पहुंच गया । ताराओन खुशी से झूम उठा । वह राजा से बोला-राजन ! मैं जीत गया हूँ । शर्त के अनुसार आपको यह गांव छोड़कर चले जाना चाहिए।' राजा कहां हार मानने वाला था ? वह बोला, इस निर्णय को भी अंतिम नहीं माना जाएगा । अब हमें युद्ध करना चाहिए। इसी युद्ध से निर्णय होगा ।

ताराओन भागा-भागा अपनी पत्नी के पास पहुँचा और सारी बातें बताईं। राजा के पास बड़ी फौज थी परन्तु ताराओन तो अकेला था । नागकन्या उसकी परेशानी सुनकर फिर नागलोक में पहुंची। वहां से वह सोने का ढोल और उसे बजाने की छड़ी ले आई।

सुबह राजा अपनी फौज के साथ लड़ाई के लिए आया। ताराओन पहले से ही तैयार था । राजा और फौज को देखकर नागकन्या ढोल बजाने लगी ! ढोल की ढम-ढम सुनकर वृक्ष, जानवर, घास-पत्ते आदि नाचने लगे। राजा और सैनिक भी हथियार फेंककर झूमने लगे। अब ताराओन और उसकी पत्नी नागकन्या गांव के राजा-रानी बन गए । आज भी अरुणाचल के वंशज ताराओन जनजाति के नाम से जाने जाते हैं।

वीर गाथा

हवलदार प्रकाश तमांगः गोली लगने पर भी दिखाया असाधारण साहस, आतंक के सामने रहे अडिग

हवलदार प्रकाश तमांग भारतीय सेना के वीर योद्धा हैं, जो 9 गोरखा राइफल्स में भर्ती हुए थे। इसके बाद उन्हें राष्ट्रीय राइफल्स की 32वीं बटालियन में भेज दिया गया। माता मन कुमारी तमांग और पिता सोमबर तमांग के बेटे प्रकाश को आतंकवादियों के खिलाफ रणनीति बनाने में महारत हासिल है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के आतंकवाद प्रभावित इलाकों में सेवा दी है।

हवलदार प्रकाश को कॉम्बैट एक्शन टीम के कमांडर के तौर पर आतंकवादियों का खात्मा करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इस संबंध में सेना को अपने खुफिया सूत्रों से सूचना मिली थी। उसका विश्लेषण करने के बाद प्रकाश 19 जून, 2024 को अपनी टीम के साथ संबंधित इलाके में पहुंच गए।

हवलदार प्रकाश ने खतरे का अंदाजा लगाते हुए घेराबंदी में बुलेट प्रूफ वाहनों का भी इस्तेमाल किया था। दोपहर लगभग सवा दो बजे आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी थी। प्रकाश ने अपने साथी जवानों की सुरक्षा के लिए ऐसी जगह जाकर जवाबी गोलीबारी की, जिससे आतंकवादियों पर ज्यादा दबाव बनाया जा सके।

इस दौरान प्रकाश की दाईं जांघ में गोली लगी और वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने अपने दर्द की परवाह न करते हुए असाधारण साहस दिखाया। वे आगे बढ़े और एक आतंकवादी को ढेर कर दिया। हवलदार प्रकाश तमांग ने मुश्किल हालात में सैन्य कौशल, सूझबूझ और पराक्रम का प्रदर्शन करते हुए अपना कर्तव्य निभाया। उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

एपस्टीन फाइलों में 'मालिश तकनीकों' और भारत के आयुर्वेद का जिक्र

न्यूयॉर्क/भाषा। अमेरिका में जारी की गईं एपस्टीन से जुड़ी फाइलों में मालिश तकनीकों और भारत के आयुर्वेद के संदर्भ मिले हैं। अमेरिकी न्याय विभाग ने शुक्रवार को दोषी ठहराए गए यौन अपराधी, दिवंगत जेफरी एपस्टीन से संबंधित हजारों फाइलें जारी कर दीं। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले महीने एक विधेयक पर हस्ताक्षर किए थे जिसमें 30 दिन के भीतर संबंधित फाइल जारी करने का आदेश दिया गया था। यह मुद्दा राजनीतिक रूप से संवेदनशील है, और डेमोक्रेट पार्टी के नेताओं द्वारा एक व्यापक अभियान चलाया जा रहा है जिसमें दुनिया के कुछ सबसे प्रभावशाली लोगों से अपने संबंधों के लिए जाने जाने वाले धनी फाइनेंसर से संबंधित फाइलों को जारी करने की मांग की जा रही है।

कपड़ा निर्यात में बांग्लादेश जैसे देशों से मुकाबले के लिए अधिक एफटीए की जरूरत: उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने शनिवार को कहा कि भारत को वैश्विक कपड़ा और परिधान निर्यात बाजार में बांग्लादेश जैसे प्रतिस्पर्धियों के साथ बराबरी के लिए अधिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) करने की आवश्यकता है।

परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) के पुरस्कार समारोह में उपराष्ट्रपति ने कहा कि पहले वैश्विक स्तर पर वस्त्र निर्यात के लिए बहुत कम देश हमसे प्रतिस्पर्धा कर रहे थे, लेकिन अब बांग्लादेश, लाओस, कंबोडिया, वियतनाम और अफ्रीकी देशों जैसे कई राष्ट्र मौजूद हैं। राधाकृष्णन ने कहा, ''इसलिए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) अनिवार्य हैं... यही उनकी (प्रतिस्पर्धी देशों की) सबसे बड़ी ताकत है।'' उन्होंने कहा कि भारत का लक्ष्य 2030 तक 350 अरब डॉलर का कपड़ा बाजार तैयार करना है, जिसमें 100 अरब डॉलर का कपड़ा निर्यात शामिल है। उन्होंने परिधान उद्योग से नए बाजारों की सक्रिय रूप से खोज करने और पर्यावरण के अनुकूल विनिर्माण प्रथाओं, जिम्मेदार सोर्सिंग और अपशिष्ट को कम करने की रणनीतियों को अपनाने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भारत का लक्ष्य है कि 2030 तक कपड़ा बाजार का आकार 350 अरब डॉलर तक पहुंचे, जिसमें से 100 अरब डॉलर केवल कपड़ा निर्यात से आए।

उपराष्ट्रपति ने कहा, ''आज एकमात्र बाधा यह है कि अमेरिका के साथ मुक्त व्यापार समझौता थोड़ा अनिश्चित है। मुझे लगता है कि यह भी देर-सबेर हो जाएगा।'' उन्होंने स्वीकार किया कि भू-राजनीतिक स्थिति के कारण भारतीय वस्त्र और परिधान उद्योग में कई तरह की बाधाएं हैं, लेकिन भारत विश्व स्तर पर वस्त्र और परिधान का छठा सबसे बड़ा निर्यातक है, जो यह दर्शाता है कि वस्त्र उद्योग देश की वृद्धि में कितना बड़ा योगदान दे रहा है।

मीटिंग

पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पब्लिक मीटिंग में वर्चुअली सुनते हुए और जयकारे के साथ झंडे लहराते हुए।

विरोध

कोलकाता में शनिवार को 'बांग्ला पोक्खो' के सदस्य पड़ोसी देश में हिंदू माइनॉरिटी पर कथित हमलों के विरोध में बांग्लादेश के डिप्टी हाई कमिश्नर के ऑफिस तक विरोध मार्च निकालते हुए

भारत में जन्मी वित्तीय पत्रकार को 'फ्रीडम ऑफ द सिटी ऑफ लंदन' सम्मान

लंदन/भाषा। ब्रिटेन में कार्यरत भारतीय मूल की एक पत्रकार को वित्तीय पत्रकारिता में उनके योगदान के लिए 'फ्रीडम ऑफ द सिटी ऑफ लंदन' से सम्मानित किया गया है।

भारत में जन्मी श्रुति त्रिपाठी चोपड़ा को इस सप्ताह एक समारोह में यह सम्मान दिया गया। वह डॉव जोन्स के प्रकाशनों 'फाइनेंशियल न्यूज़' और 'प्राइवेट इक्विटी न्यूज़' की एडिटर-इन-चीफ हैं।

'फ्रीडम ऑफ द सिटी ऑफ लंदन' की परंपरा 13वीं सदी से चली आ रही है और समय के साथ यह सम्मान उन व्यक्तियों को दिया जाने लगा है, जिन्होंने लंदन के वित्तीय केंद्र में उल्लेखनीय प्रभाव डाला हो।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी को भ्रष्टाचार के मामले में 17-17 साल की कैद

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान की जवाबदेही अदालत ने जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को तोशाखाना-2 भ्रष्टाचार मामले में शनिवार को 17-17 साल के कारावास की सजा सुनाई।अगस्त 2023 से जेल में बंद खान (73) अप्रैल 2022 में प्रधानमंत्री पद से अपदस्थ होने के बाद से विभिन्न मुकदमों का सामना कर रहे हैं। तोशाखाना-2 मामला 2021 में खान और बीबी को सऊदी सरकार से मिले सरकारी उपहारों में हुई कथित धोखाधड़ी से जुड़ा है।विशेष अदालत के न्यायाधीश शाहरुख अर्जुमंद ने रावलपिंडी में स्थित उच्च सुरक्षा वाली अदियाला जेल में इस मामले में फैसला सुनाया, जहां पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख खान फिलहाल बंद हैं।

खान और बुशरा को पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 409 (आपराधिक विश्वासघात) के तहत 10-10 साल और भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत सात-सात साल कैद की सजा सुनाई गई। अदालत ने दोनों पर 1.64-1.64 करोड़ रुपए जुर्माना भी लगाया।फैसले में कहा गया है, इस अदालत ने सजा सुनाते समय इमरान अहमद खान नियाजी की उम्र के साथ साथ यह तथ्य भी ध्यान में रखा कि बुशरा इमरान खान एक महिला हैं। इन दोनों तथ्यों को ध्यान में रखते हुए लचीला रुख अपनाकर अधिक सजा की तुलना में कम सजा सुनाई गई। अदालत ने कहा कि इस मामले में दोषियों को दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 382-बी (सजा के समय कारावास की अवधि को ध्यान में रखना) का लाभ दिया गया है।

मुकदमे की सुनवाई के दौरान अदालत में कुल 21 गवाह पेश हुए। फैसला सुनाए जाते समय खान और बुशरा अदालत में मौजूद थे। खान ने मामले में सीआरपीसी की धारा 342 के तहत दर्ज बयान में इन आरोपों को खारिज कर दिया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि मामला फर्जी है। मामला जुलाई 2024 में दायर किया गया था और इसमें आरोप था कि खान और बीबी ने मूल्यवान वस्त्र, महंगी घड़ियां, हीरे और सोने के आभूषणों को तोशाखाना (राजकीय उपहार भंडार) में जमा किए बिना बेच दिया था। वित्त राज्य मंत्री बिलाल अजहर कयानी ने 'जियो न्यूज' से कहा कि उपहारों को जमा नहीं किया गया, जबकि उन्हें कानूनी रूप से इन्हें जमा करना चाहिए था। घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा, कानूनी प्रक्रिया के दौरान जो तथ्य सामने आए, उनके अनुसार आभूषण की वास्तविक कीमत सात करोड़ रुपए थी; हालांकि, इसका मूल्यांकन 58-59 लाख रुपए किया गया था।

तोशाखाना कैबिनेट प्रभाग के तहत काम करने वाला एक विभाग है जो दूसरे देशों के शासन प्रमुखों और विदेशी गणमान्य व्यक्तियों की ओर से पाकिस्तानी शासकों व सरकारी अधिकारियों को मिलने वाले उपहारों को रखता है।

60 करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में शिल्पा शेट्टी ने आरोपों को बताया बेबुनियाद

मुंबई/एजेन्सी

60 करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में फंसे बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। इस मामले में पुलिस कोर्ट में चार्जशीट दायर करने वाली है इसी बीच, एक्ट्रेस ने बेस्ट डील टीवी प्राइवेट लिमिटेड केस को लेकर ऑफिशियल बयान जारी किया है और भगवद गीता के श्लोक के जरिए अधर्म और न्याय की बात की है। बेस्ट डील टीवी केस (60 करोड़ की धोखाधड़ी) में शिल्पा शेट्टी का कहना है कि उन पर लगाए सभी आरोप बेबुनियाद हैं और एक महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। आधिकारिक स्टेटमेंट जारी करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि इस मामले से मेरा नाम जोड़ने की बेबुनियाद कोशिश से मुझे बहुत दुख पहुंचा है। कंपनी के साथ मेरा जुड़ाव पूरी तरह से नॉन-एग्जीक्यूटिव पद पर था, जिसमें ऑपरेशंस, फाइनेंस, फैसले

लेने या किसी भी साइनिंग अथॉरिटी में मेरी कोई भूमिका नहीं थी।

आधिकारिक बयान में आगे कहा गया कि कई दूसरी जानी-मानी हस्तियों की तरह, मैंने भी होम शॉपिंग चैनल के लिए कुछ प्रोडक्ट्स को सिर्फ प्रोफेशनल तौर पर एंडोर्स किया था। मेरे परिवार की तरफ से कंपनी को 20 करोड़ रुपये का लोन दिया गया था और अभी तक रकम को चुकाया नहीं गया है। उन्होंने आगे कहा कि कुछ शरारती तत्व क्रिमिनल लायबिलिटी की तरफ धकेलने की कोशिश कर रहे हैं, जो कानूनी तौर पर गलत है और कानून के तय सिद्धांतों के खिलाफ है। बिना वजह के आरोप न सिर्फ तथ्यों को गलत तरीके से पेश करते हैं, बल्कि पब्लिक में एक महिला की गरिमा को भी ठेस पहुंचाते हैं।

भगवद गीता का श्लोक याद करते हुए उन्होंने लिखा कि अन्याय का विरोध करना आपका कर्तव्य होता है, अगर आप ऐसा नहीं कर रहे हैं, तो ये अपने आप ही एक अधर्म है। उन्होंने आगे लिखा कि माननीय बॉम्बे हाई कोर्ट में पहले ही एक याचिका दायर की जा चुकी है, मुझे न्यायिक प्रक्रिया पर पूरा भरोसा है।

बता दें कि 60 करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में एक व्यापारी ने शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा की कंपनी बेस्ट डील टीवी प्राइवेट लिमिटेड में निवेश किया था। व्यापारी का आरोप है कि लोन के रूप में कंपनी को 60 करोड़ रुपये दिए गए थे, लेकिन पैसा वापस देने की स्थिति में शिल्पा ने डायरेक्टर के पद से इस्तीफा दे दिया।

प्रीति जिंटा ने आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' की सराहना की

नई दिल्ली/भाषा

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने निर्देशक आदित्य धर की नवीनतम फिल्म 'धुरंधर' की जमकर तारीफ की और इसे अब तक की देखी गई सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक बताया। रणवीर सिंह-अभिनीत 'धुरंधर' पांच दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। इसमें अभिनेता संजय दत्त, अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन, आर. माधवन और राकेश बेदी भी अहम भूमिकाओं में नजर आए। इस फिल्म की कहानी कंधार विमान अपहरण, 2001 का संसद हमला और 26/11 मुंबई हमलों जैसी भू-राजनीतिक एवं आतंकी घटनाओं की पृष्ठभूमि पर आधारित गुप्त खुफिया अभियानों के इर्द-गिर्द घूमती है।

प्रीति ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट कर 'धुरंधर' फिल्म को लेकर अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने फिल्म को ''कच्ची, सच्ची और बेहतरीन अभिनय से सजी हुई'' बताया। उन्होंने फिल्म के संगीत की भी सराहना की। उन्होंने लिखा, आज का दिन खास था। काफी समय बाद मैंने अकेले थिएटर में कोई फिल्म देखी। दोपहर का शो खचाखच भरा हुआ था और यह एक शानदार अनुभव रहा। यह शायद पिछले काफी लंबे समय में देखी

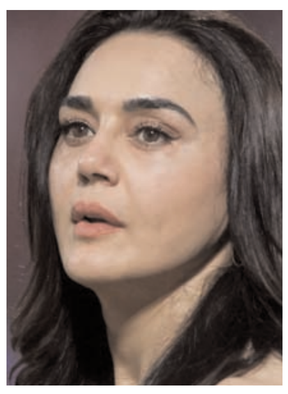

गई मेरी सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक है। फिल्म बेहद सच्ची है और रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, संजय दत्त, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन, राकेश बेदी सहित सभी कलाकारों का अभिनय लाजवाब है। फिल्म का संगीत दिल छू लेने वाला है और सबसे ज्यादा मुझे आदित्य धर का निर्देशन पसंद आया।'' उन्होंने लिखा, ''यह सिर्फ एक फिल्म नहीं है, बल्कि उन अनजान पुरुषों, महिलाओं और देशभक्तों के नाम एक प्रेम पत्र है जिन्होंने देश की रक्षा के लिए खुद को खतरे में डाला।''

प्रीति जल्द ही फिल्म 'लाहौर 1947' में सनी देओल के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन राजकुमार संतोषी कर रहे हैं और इसे 'आमिर खान प्रोडक्शंस' के बैनर तले आमिर खान द्वारा निर्मित किया जा रहा है।

कॉन्वोकेशन

विदेश मंत्री एस जयशंकर पुणे में सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड यूनिवर्सिटी) के 22वें कॉन्वोकेशन के दौरान।

उर्वशी रौतेला और गुरु रंधावा की वापसी !

मुंबई/एजेन्सी

मनोरंजन जगत में हलचल पहले से कहीं ज्यादा तेज़ है, क्योंकि दर्शकों की सबसे पसंदीदा जोड़ियों में से एक उर्वशी रौतेला और गुरु रंधावा आधिकारिक तौर पर फिर साथ आ चुके हैं। उनकी पिछली कोलेबोरेशन्स पहले ही पॉप-कल्चर में एक खास जगह बना चुकी हैं, और अब उनकी वापसी की खबर ने दुनियाभर के फैंस में सनसनी फैला दी है। प्रवक्ता के अनुसार: उर्वशी रौतेला और गुरु रंधावा एक बार फिर साथ काम करेंगे! फैंस: जब दो सुपरस्टार साथ आते हैं, जादू होता है इंतज़ार नहीं हो रहा! बड़ी खबर: उर्वशी और गुरु रंधावा ने फिर टीम-अप किया! यह रीयूनियन सिर्फ एक इंडस्ट्री अपडेट नहीं है यह उन लाखों लोगों के लिए एक भावुक पल है जिन्होंने इन दोनों पावरहाउस को स्क्रीन पर जादू बिखेरते देखा है। उनकी केमिस्ट्री, करिश्मा और स्टार पावर हमेशा वायरल सफलता में बदली है, और उनके अगले प्रोजेक्ट को लेकर उत्सुकता चरम पर है।

जैसे ही यह खबर सामने आई, सोशल मीडिया फैंस की प्रतिक्रियाओं से भर गया किसी को यकीन नहीं हो रहा था, तो कुछ खुशी से झूम उठे। कई फैंस ने बताया कि उन्होंने इस जोड़ी को कितना मिस किया, जबकि बाकी इस बात को लेकर उत्साहित थे कि ये दोनों

अगला ब्लॉकबस्टर पल क्या लेकर आएंगे। हर जगह गूंज रही सबसे जोरदार पुकार है।

यह शीशपू सिर्फ फैंडम नहीं एक गहरा जुड़ाव है। उर्वशी और गुरु अब फील-गुड एंटरटेनमेंट के प्रतीक बन चुके हैं, जहां ग्लैमर मिलता है रीदम से, और विज़ुअल स्टोरीटेलिंग मिलती है स्टार पावर से। उनकी यह वापसी एक सांस्कृतिक उत्सव जैसी लगती है यह याद दिलाती है कि जब दो बड़े कलाकार साथ आते हैं, तो क्या जादू होता है। जैसे-जैसे उत्सुकता बढ़ रही है, एक बात तय है: यह मेगा प्रोजेक्ट सिर्फ इंतज़ार नहीं कराया जा रहा इसे महसूस किया जा रहा है। दो ब्लॉकबस्टर आइकॉन के फिर साथ आने से सोशल मीडिया पर ट्रेंड्स पहले ही बदलने लगे हैं और कुछ बेहद बड़ा होने की तैयारी है।

वर्षों से कमल हासन की कला और विविध प्रकार के किरदारों का प्रशंसक रहा हूं: अनुपम खेर

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेता अनुपम खेर ने दक्षिण भारतीय फिल्मों के कलाकार कमल हासन से मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पर एक लंबा पोस्ट लिखा और उन्हें 'भारतीय सिनेमा के सर्वश्रेष्ठ अभिनेताओं में से एक' करार दिया।

खेर ने शुक्रवार को 'फेसबुक' पर हासन के साथ एक तस्वीर साझा की और कहा कि वह वर्षों से अभिनेता के काम के प्रशंसक रहे हैं।

दोनों अभिनेताओं की मुलाकात दिल्ली हवाई अड्डे पर हुई थी। खेर ने पोस्ट में लिखा, दिल्ली हवाई अड्डे पर भारतीय सिनेमा के सर्वश्रेष्ठ अभिनेताओं में से एक कमल हासन जी से मिलकर बहुत खुशी हुई! मैं वर्षों से उनकी कला और विविध अभिनय का प्रशंसक रहा हूं। मैंने उनसे एक अभिनेता के रूप में बहुत कुछ सीखा है। शानदार अभिनय की सूची में उनका काम अनगिनत है।

खेर ने बताया कि हासन के साथ उनकी 'बहुत ही सार्थक बातचीत' हुई। उन्होंने लिखा, हम हवाई अड्डे के लाउंज में करीब एक घंटे तक बैठे रहे। उस एक घंटे में ऐसा लगा जैसे हमने पूरी जिंदगी की बातें कर ली हों। इतने सारे विषय, विश्व सिनेमा, के. बालाचंद्र सर, जीवन के सबक, पसंदीदा किताबें और बेशक महान रजनीकांत सर। यह एक बहुत ही सार्थक बातचीत थी। सर, आपके ज्ञान, स्नेह और सराहना के लिए धन्यवाद! प्यार, सम्मान और दुआएं हमेशा आपके साथ!

कैंसर मतलब जिंदगी खत्म नहीं : हिना खान

मुंबई/एजेन्सी

टीवी एक्ट्रेस हिना खान ने अपने किरदारों से लाखों लोगों का दिल जीता है और आज भी रियलिटी शो कर फैंस को एंटरटेन कर रही हैं। साल 2024 अभिनेत्री के लिए मुश्किलों भरा रहा था, क्योंकि उन्होंने इसी साल स्टेज-3 के ब्रेस्ट कैंसर की जानकारी सोशल मीडिया के जरिए फैंस को दी थी। बीमारी का पता चलने से लेकर इलाज में होने वाली परेशानियों का सामना उन्होंने पूरी हिम्मत और धैर्य के साथ किया। अब उन्होंने अपने कैंसर जर्नी के बारे में सबा पटौदी के शो 'ऑल अबाउट हर' में खुलकर बात की और अपने दर्द को साझा किया। सबा पटौदी ने अपने शो 'ऑल अबाउट हर' का नया वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसमें वे हिना खान के साथ दिख रही हैं। हिना खान ने पहली बार किसी पॉडकास्ट पर अपनी बीमारी और उसमें होने वाली तकलीफों पर खुलकर बात की है। वीडियो में हिना खान कहती हैं कि 1 साल तक बहुत सारे स्कैन हुए और समझ नहीं आ रहा था कि क्या हो रहा है। कीमोथेरेपी पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि ये बहुत दर्दनाक एक्सपीरियंस था, जिसे शब्दों में कह पाना मुश्किल है। उन्होंने आगे कहा कि लोगों के मन में डर है कि अगर कैंसर है तो जिंदगी खत्म है, लेकिन ऐसा नहीं है। कैंसर को हराया जा सकता है। अगर कैंसर को पूरी तरह खत्म नहीं किया जा सकता तो मैनेज करेंगे, लेकिन जिंदगी को जरूर जीएंगे। सबा पटौदी ने अपने शो 'ऑल अबाउट हर' में एक डॉक्टर के साथ कैंसर के हर बारीक पहलू पर बात की। अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, कुछ कहानी हिम्मत के लिए बताई जाती हैं और हिना खान की कहानी उन्हीं हिम्मत भरी कहानियों में से एक है। हिना की कहानी सिर्फ मजबूती की नहीं, बल्कि दरियादिली की भी है। हिना खान ने सोशल मीडिया पर अपने ट्रीटमेंट की सारी जर्नी को शेयर किया है।

जीतो जेबीएन ट्रेंडसेटर ने फ्रेंचाइज़-डिस्ट्रीब्यूटर-डीलर मीट आयोजित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो पगारिया जेबीएन ट्रेंडसेटर यूनिकॉर्न्स साउथ ने एक पावर–पैक्ड फ्रेंचाइज़ डिस्ट्रीब्यूटर डीलर्स सत्र और रेफ़रल मीट का आयोजन किया। आयोजन का उद्देश्य विकास और सहयोग को बढ़ावा देना था। पगारिया जेबीएन फ्रेंचाइज़िंग ऑफ दि मंथ 'सेलो कंपनी' थी। कम्पनी ने अपने व्यवसाय फ्रेंचाइज़ मॉडल की जानकारी दी।

उन्होंने सदस्यों को बेंगलूरु में सेलो फ्रेंचाइज़ी शुरू करने का अवसर लेने के लिए आमंत्रित किया। इसके अलावा अनेक रेफरल पास हुए तथा अनेक पावर–पैक्ड पिच भी प्रस्तुत किए गए। इस मौके पर जेबीएन के राष्ट्रीय महासचिव मनोज कोचर, राष्ट्रीय संयोजक स्माल स्केल बिजनेस (एसएसबी) रेखा जैन, केकेजी. जोन संयोजक तुषार बाफना, बेंगलूरु साउथ संयोजक विजय मेहता और सहसंयोजक ललित बागरेचा आदि उपस्थित थे।

'नीलकंठ क्लब टीम' बनी राजस्थानी क्रिकेट प्रतियोगिता चैंपियन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आरएक्स 100 राजस्थानी क्रिकेट प्रतियोगिता में 'नीलकंठ क्लब टीम' ने अपनी दावेदारी पेश की। इस प्रतियोगिता में कुल 8 टीमों ने भाग लिया, जिनमें से प्रत्येक टीम के तीन–तीन लीग मैच खेले गए, जिनमें फाइनल का मुकाबला सनफ्लेक्स फाइटर का सामने नीलकंठ क्लब टीम के बीच हुआ। नीलकंठ क्लब कप्तान श्रवण सिंह पिपरली ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी जिसमें संदीप कुमावत ने शानदार बल्लेबाजी कर कुल 84 रन बनाए। जवाब में संदीप कुमावत की घातक गेंदबाजी के सामने सनफ्लेक्स फाइटर टीम 8 ओवर में मात्र 33 पर आल आउट हो गई। इस प्रतियोगिता में 168 रन बनाकर सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज व 11 विकेट लेकर मैन ऑफ दि सीरीज संदीप कुमावत रहे। आयोजक प्रकाश राठौड़ ने विजेता टीम को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इस मौके पर कुमावत समाज सहित अनेक समाज के सदस्य उपस्थित थे।

'मीट एंड ग्रीट' कार्यक्रम के तहत टीपीएफ सदस्यों ने बढ़ाया अपना परिचय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम (टीपीएफ) सेंट्रल एवं वेस्ट चैप्टर द्वारा संयुक्त रूप से 'मीट एंड ग्रीट–फनडे फ्राइडे ईवनिंग एडिशन' कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 25 सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और आपसी सौहार्द, सार्थक संवाद तथा मनोरंजक गतिविधियों में भाग लिया। सेन्ट्रल चैप्टर के उपाध्यक्ष राहुल डागा ने सभी का स्वागत किया। सेन्ट्रल के अध्यक्ष पुष्पराज चोपड़ा, वेस्ट चैप्टर के अध्यक्ष ललित बेगानी ने संगठन के उद्देश्यों पर अपने विचार व्यक्त किए। इसके उपरांत सदस्यों को आपस में जुड़ने, संवाद स्थापित करने एवं परस्पर परिचय को सुदृढ़ करने के लिए एक इंटरएक्टिव नेटवर्किंग सत्र आयोजित किया गया। मनोरंजन के लिए बॉक्स क्रिकेट में भी सदस्यों ने भाग लिया।

'बेसिक्स टू ब्रिलियंस 2.0' के माध्यम से जीतो महिलाओं को मिला वित्तीय ज्ञान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो नार्थ लेडीज़ विंग द्वारा सक्षम स्किल डेवलपमेंट के सहयोग से राजाजीनगर स्थित जीतो कार्यालय में 'बेसिक्स टू ब्रिलियंस 2.0'नामक एक ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी वित्तीय सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र का उद्देश्य महिलाओं को वित्तीय रूप से सशक्त बनाना एवं निवेश संबंधी व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम में नार्थ की अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना, महामंत्री रक्षा छाजेड़, हाउसहोल्ड बिजनेस मॉडल अपेक्स संयोजक बिंदु रायसोनी तथा श्रमण आरोग्यम अपेक्स संयोजिका सुनीता गांधी की विशेष उपस्थिति थी।

कार्यक्रम का संयोजन संयोजिका सुमन रांका एवं सहसंयोजिका नंदा बाफना ने किया। ज्ञान सत्र की मुख्य वक्ता सोनिया नंगावत ने सरल एवं रोचक शैली में जटिल वित्तीय विषयों को सहज रूप से प्रस्तुत किया।

सत्र के दौरान प्रतिभागियों को वित्तीय बाज़ारों की मूलभूत समझ, निवेश से पूर्व जोखिम एवं रिटर्न का मूल्यांकन, अनुशासित दीर्घकालिक निवेश का महत्व, व्यक्तिगत लक्ष्यों के अनुरूप संतुलित निवेश पोर्टफोलियो तथा पूल्ड इन्वेस्टमेंट विकल्पों की उपयोगी जानकारी दी गई।

ट्रंप ने शांति स्थापना को दी प्राथमिकता: रुबियो ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष का जिक्र करते हुए कहा

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष का जिक्र करते हुए कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शांतिदूत के तौर पर अपनी भूमिका को प्राथमिकता दी है। ट्रंप भारत एवं पाकिस्तान के बीच संघर्ष सुलझाने में अपनी भूमिका को लेकर कई बार दावा कर चुके हैं। वह अब तक लगभग 70 बार यह दावा कर चुके हैं। रुबियो ने कहा कि अमेरिका दुनिया भर में सक्रिय भूमिका निभा रहा है और उसने ऐसे संघर्ष सुलझाने में भी भूमिका निभाई है जो अमेरिका के रोजमर्रा के जीवन के लिए संभवत: उतने महत्वपूर्ण नहीं हैं। रुबियो ने शुक्रवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, राष्ट्रपति ने शांतिदूत की भूमिका को प्राथमिकता दी है और इसलिए आपने हमें वर्तमान की चुनौतियों जैसे कि रूस, यूक्रेन, भारत और पाकिस्तान या थाईलैंड और कंबोडिया के संघर्षों को समाप्त करने की कोशिश में अहम भूमिका निभाते देखा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा सुलझाए गए कुछ संघर्षों की जड़ें कई वर्षों पुरानी हैं, लेकिन हम इन्हें सुलझाने में सहायता करने के लिए तैयार हैं।

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादी हमले में 26 आम नागरिकों की मौत के बाद भारत ने छह–सात मई की दरमियानी रात को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया और पाकिस्तान एवं पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचों को निशाना बनाया। चार दिनों तक जारी रहे सीमा पार ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद भारत और पाकिस्तान 10 मई को संघर्ष को समाप्त करने के लिए सहमत हुए। भारत ने संघर्ष के समाधान में किसी भी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से लगातार इनकार किया है।

रुबियो ने चीन और जापान को लेकर संबंधों से जुड़े एक सवाल के जवाब में कहा, हम समझते हैं कि उस क्षेत्र में संतुलन बनाए रखना जरूरी है। हमारा दृढ़ विश्वास है कि हम जापान के साथ अपनी मजबूत और ठोस साझेदारी एवं गठबंधन को जारी रखते हुए, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी और चीन सरकार के साथ भी मिलकर काम करने के व्यावहारिक और सकारात्मक रास्ते तलाश सकते हैं। उन्होंने कहा कि चीन एक समृद्ध और शक्तिशाली देश बना रहेगा और भू–राजनीति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा। उन्होंने कहा, हमें उनके साथ संबंध रखने होंगे और उनसे बातचीत करनी होगी। हमें उन क्षेत्रों को तलाशना होगा, जिन पर हम मिलकर काम कर सकते हैं। मेरा मानना है कि दोनों पक्ष इतने परिपक्व हैं कि यह स्वीकार कर सकें कि अभी आने वाले समय में भी तनाव के कुछ बिंदु बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि चीन और अमेरिका को मिलकर काम करने के अवसर तलाशने की जरूरत है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हम हिंद–प्रशांत क्षेत्र में अपने साझेदारों के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता को खतरे में डाले बिना या किसी भी तरह से कमजोर किए बिना ऐसा कर सकते हैं। इसमें केवल जापान ही नहीं, बल्कि दक्षिण कोरिया भी शामिल है और यदि और आगे बढ़ें तो भारत, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और अन्य सभी देश भी इसमें आते हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या गाजा में शांति स्थापना के लिए सैनिक भेजने को लेकर अमेरिका को पाकिस्तान की सहमति मिली है, रुबियो ने कहा कि जिन देशों से वाशिंगटन ने जमीनी स्तर पर मौजूदगी को लेकर बातचीत की है, वे सभी यह जानना चाहते हैं कि विशिष्ट जनादेश क्या होगा और वित्तपोषण की व्यवस्था कैसी होगी। उन्होंने कहा, हम पाकिस्तान के आभारी हैं कि उन्होंने इसमें शामिल होने की पेशकश की या कम से कम इस पर विचार करने की पेशकश की।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू अनकापल्ली जिले के एक स्कूल में स्टूडेंट्स से बातचीत करते हुए।

बांग्लादेश में हिंदू व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या करने के मामले में सात लोग गिरफ्तार

ढाका/नई दिल्ली/भाषा। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने शनिवार को कहा कि हिंदू व्यक्ति की पीट–पीटकर हत्या किए जाने के मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मैमेनसिंह शहर में बृहस्पतिवार को कथित ईशनिंदा को लेकर भीड़ ने दीपू चंद्र दास (25) की पीट–पीटकर हत्या कर दी थी और शव को आग के हवाले कर दिया था। मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने 'एक्स' पर लिखा कि रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) ने मामले में संदिग्ध के तौर पर सात लोगों को गिरफ्तार किया है। सरकार ने कहा कि विभिन्न स्थानों पर अभियानों के दौरान गिरफ्तारियां की गईं और गिरफ्तार लोगों की उम्र 19 से 46 साल के बीच है। पुलिस के अनुसार, भीड़ ने ईशनिंदा के आरोपों में फैक्टरी में मजदूरी करने वाले दास को पहले फैक्टरी के बाहर पीटा और फिर पेड़ से टांग दिया। पुलिस ने कहा कि इसके बाद भीड़ ने मृतक के शव को ढाका–मैमेनसिंह राजमार्ग के किनारे छोड़कर आग के हवाले कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद किया और पोस्टमॉर्टम के लिए मैमेनसिंह मेडिकल कॉलेज के शवगृह में भेज दिया।

अंतरिम सरकार ने शुक्रवार को इस हत्या की निंदा की और कहा कि नए बांगलादेश में ऐसी हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है। सरकार ने कहा, इस जघन्य अपराध के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पिछले साल अगस्त में तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ हुईं सिलसिलेवार घटनाओं से प्रभावित हुआ है।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु प्रवास पर आए जीतो जलगांव चैप्टर के चेयरमैन सुभाष लोढ़ा से जीतो मैसूरु चैप्टर के पदाधिकारियों ने मुलाकात कर सम्मान किया । लोढ़ा को मैसूरु चैप्टर की गतिविधियों की जानकारी दी। लोढ़ा ने भी जलगांव चैप्टर द्वारा संचालित परियोजना के बारे में बताया। इस मौक़े पर जीतो मैसूर के चेयरमैन विनोद बाकलीवाल, केकेजी के संयोजक चंद्रगुप्त कटारिया, पूर्व चेयरमैन कांतिलाल जैन, मुख्य सचिव गौतम सालेचा आदि उपस्थित थे।

दुख हमें परस्पर बांधने का व सुख बांटने का कार्य करता है : साध्वीश्री भव्यगुणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर आराधना केंद्र में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने सुख और दुख के बारे में समझाते हुए कहा कि मन और मौन को समझना हर किसी के बस की बात नहीं होती। दुख जहां बांधने का काम करता है वहीं सुख एक–दूसरे को बांट देता है। सुख और दुःख में कोई ज्यादा भेद नहीं, जिसे मन स्वीकारे वह सुख, और जिसे अस्वीकारे वह दुःख। सारा खेल ही हमारी स्वीकृति व अस्वीकृति का ही तो है। बाकी अपने अंदर की प्रतिभा प्रभाव से नहीं, स्वभाव से, व्यवहार से करनी है। तभी हम सुख दुख को समझ पाएंगे।ङ्गसाध्वी शीतलगुणाजी ने कहा कि जिदगी छह तार के गिटार की तरह है। उसके हर तार को संतुलित रखना पड़ता है। जीवन की गिटार का पहला तार है हमारा शरीर, दूसरा हमारा मन, तीसरा अध्यात्म, चौथा हमारा परिवार, पांचवा हमारा व्यवसाय और जीवन की गिटार का छठा तार है हमारा समाज। हमारा समाज अपने शरीर, मन यानी अंतरात्मा को हमेशा संतुलित रखो, अपने व्यवसाय के साथ साथ अपने परिवार, समाज के लिए भी समय दो। गौतमचंद लुणिया ने बताया कि साध्वीद्वय साध्वी सत्यप्रभाश्रीजी व धर्मशीलाश्री से आध्यात्मिक मिलन हुआ। साध्वीवृंद रविवार को ओसबन रोड स्थित श्री चंद्रप्रभ स्वामी जैन मंदिर में पधारेंगे। पारस भंसाली ने सभी को धन्यवाद दिया।

मंड्या में साध्वीश्री पुण्ययशा का हुआ मंगल प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजराजेश्वरीनगर से चातुर्मास सम्पन्न कर विहार कर साध्वीश्री पुण्ययशाजी शुक्रवार को मंड्या पहुंचीं। मंड्या सभा के अध्यक्ष ने सभी का स्वागत किया। महिला मंडल ने स्वागत गीत गाया। तेयुप आरआर नगर के अध्यक्ष विक्रम महेर ने विहार सेवा में सहयोग दिया तथा अपने विचार रखे। साध्वीश्री ने कहा कि आरआर नगर का चातुर्मास उत्तम रहा। वहाँ के समाज की सेवा उदाहरण देने योग्य है। विशेषकर युवा वर्ग का सेवाभाव अनुकरणीय है।

स्वयम् जेबीएन वी-कनेक्ट की बैठक सम्पन्न

बेंगूलूरु/दक्षिण भारत। जीतो स्वयम जेबीएन वी–कनेक्ट महिला व्यवसाय रेफरल समूह की चौथी बैठक जीतो नॉर्थ कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में लेडीज विंग की चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना, सदस्य सारिका जैन एवं बिंदु नाहर उपस्थित थीं।संयोजक एवं कोषाध्यक्ष तनुजा मेहता ने व्यवस्था संभाली। बैठक का संचालन रेफरल हेड लीला पितलिया, रेफरल लीड मीनू जैन एवं रेफरल मंत्री संगीता जैन के नेतृत्व में किया गया। बैठक की मुख्य वक्ता व लीडरशिप कोच रक्षा जैन ने 'गिविंग इज ग्रोथ – इट्स कलेक्टिव ग्रोथ' विषय पर प्रस्तुति देते हुए कहा कि व्यवसाय में वास्तविक प्रगति केवल लेन–देन से नहीं, बल्कि ज्ञान, सहयोग, अवसर और सद्भावना को साझा करने से होती है। बिना त्वरित प्रतिफल की अपेक्षा के दिया गया सहयोग दीर्घकालीन सफलता, सामूहिक विकास और एक सशक्त व्यवसायिक परिवेश का निर्माण करता है। कार्यक्रम के अंतर्गत बिंदु मेहता ने 8 मिनट की प्रस्तुति में अपने प्रीमियम रिटर्न गिफ्टस के विशेष संग्रह का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में 15 व 16 जनवरी को आयोजित होने जा रही 'उड़ान' प्रदर्शनी की जानकारी दी गई।

कांग्रेस को भगवान राम के नाम से चिढ़ क्यों है? : मोहन यादव

इंदौर/भाषा। 'विकसित भारत–जी राम जी विधेयक 2025' को लेकर कांग्रेस के विरोध पर पलटवार करते हुए मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शनिवार को कहा कि वह आज तक समझ नहीं सके हैं कि इस पार्टी को भगवान राम के नाम से चिढ़ क्यों है। संसद से हाल में पारित यह विधेयक कांग्रेस की अगुवाई वाली पिछली सरकार में लागू महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का स्थान लेगा। मुख्यमंत्री यादव ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा, मैं आज तक नहीं समझ पाया हूं कि कांग्रेस को रामजी के नाम से चिढ़ क्यों है? उन्हें आखिर किस बात का गुस्सा रहता है? पहले उन्होंने अयोध्या में भगवान राम के मंदिर के निर्माण में अड़ंगे लगाए।

फिर उन्होंने इस मंदिर के निर्माण के भूमिपूजन कार्यक्रम की अनदेखी की। उन्होंने कहा, अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर बनकर तैयार हुआ है, लेकिन राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी अब तक इसके दर्शन करने नहीं गए।

यादव ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष का काम केवल विरोध करना है। उन्होंने कहा, हम सब जानते हैं कि (कांग्रेस की अगुवाई वाली पिछली सरकार में) रोजगार गारंटी योजना मूल रूप से नरेगा के नाम प्रारंभ हुई थी। चुनावी परिप्रेक्ष्य में उन्होंने (कांग्रेस) इस योजना से महात्मा गांधी का नाम जोड़ दिया।

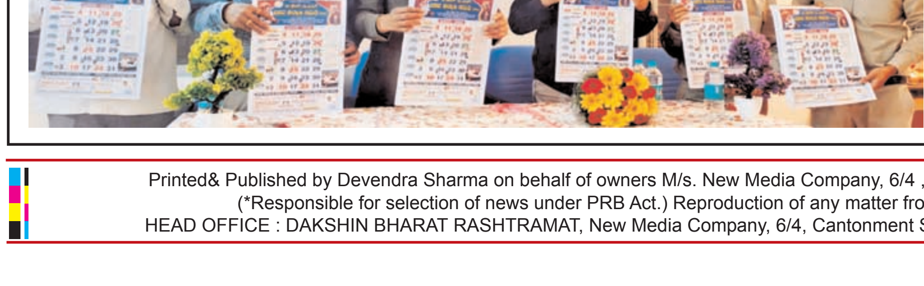

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कैलेंडर विमोचन

बेंगलूरु के मैसूरु रोड स्थित बीएचईएल कर्मचारियों की बसवा कल्याण समिति द्वारा वर्ष 2026 का कैलेंडर जारी किया गया। बीएचईएल के पुस्तकालय में आयोजित इस कार्यक्रम में विजयनगर मारुति मेडिकल्स के प्रमुख महेंद्र मुनोत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। मुणोत ने कैलेंडर का विमोचन किया। कर्मचारी समिति के पदाधिकारियों ने अतिथि का सम्मान किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**